MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 25 जून, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य–8 रु.| वर्ष–8 | अंक–173

वीएचपी FIRE
सीट ही फर्जी बोले केजरी

अयोध्या, 24 जून (एजेंसियां)
अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में आरोपों से घिरे ट्रस्ट महासचिव चंपत राय मंगलवार शाम शेषावतार मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। ये मंदिर श्रीराम जन्मभूमि पर बना है। चंपत राय ने कार्यक्रम का संचालन किया, हालांकि चढ़ावा चोरी पर कोई बयान नहीं दिया।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने जांच रिपोर्ट में चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव समेत 17 लोगों को आरोपी माना है। इनके खिलाफ एफआईआर होना लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। उधर, अयोध्या में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की 25 से 29 जून तक होने वाली पांच दिवसीय बैठक स्थगित हो चुकी है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बुधवार को दिल्ली में चढ़ावा चोरी केस पर खुलकर अपनी बात रखी। आलोक कुमार ने कहा ` रामलला मंदिर के चढ़ावे में हुई इस कथित हेराफेरी के मामले को दबाया या छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, इस पूरे मामले की तह तक जाने के लिए तुरंत एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए और एक रेगुलर पुलिसिया जांच की सख्त जरूरत है। उन्होंने साफ किया कि केवल आंतरिक जांच से काम नहीं चलेगा, जब तक कानून अपना काम नहीं करेगा, तब तक दूध का दूध और पानी का पानी नहीं हो पाएगा।

आलोक कुमार ने कहा करोड़ों रामभक्तों ने अपनी गाढ़ी कमाई और अगाध श्रद्धा से रामलला के चरणों में दान अर्पित किया था। ऐसी पवित्र जगह से दान चोरी होने की खबर आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा ` इस पूरे प्रकरण से संपूर्ण हिंदू समाज और हिंदुओं की आस्था को गहरा धक्का लगा है। एक संगठन और एक हिंदू के नाते इससे हमें बेहद लज्जा महसूस हुई है। जाँच के दौरान सीट टीम को दान पात्रों की चाबियाँ रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास मिलीं। एसआईटी ने ऐसे करीब 150 सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है, जिनकी आर्थिक स्थिति में 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया। इनमें चंपत राय के करीबी माने जाने वाले फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं। उनके पास 3 लग्जरी कारें हैं, जिनकी कुल कीमत 25 लाख है। वहीं, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एसआईटी को फर्जी बताया। आप सांसद संजय सिंह को एसआईटी ने सबूत देने के लिए 25 जून को लखनऊ बुलाया है। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने राम मंदिर चंदा चोरी केस में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

शेषावतार मंदिर में ध्वजारोहण संतों ने की पूजा

शेषावतार मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में करीब 4 हजार लोग शामिल हुए। इसमें दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्य भी पहुंचने वाले थे, लेकिन लखनऊ अग्निकांड में 15 बच्चों की मौत के बाद दोनों ने दौरा रद्द कर दिया। 11 संतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वज पूजन कराया। डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने साधु-संतों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में जंगजीत बहादुर सिंह एक पांडुलिपि लेकर पहुंचे थे। चंपत राय ने कहा जंगजीत को विश्वास है कि उनके पूर्वजों ने अपने हाथ से रामचरितमानस की 300 वर्ष पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपि लिखी है। ये उनके घर में सुरक्षित थी। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र एक संग्रहालय भी बना रहा है, रामकथा संग्रहालय। उस संग्रहालय को वो ये प्रति समर्पित कर रहे हैं। 14 मई को वो इस प्रति को लेकर अयोध्या आए थे। निर्माण समिति के सामने वो प्रति रखी गई थी और हमने उनकी बात मान ली थी। उनकी इच्छा थी सार्वजनिक कार्यक्रम में समर्पित हो, तो उसके लिए कोई अलग से कार्यक्रम रखना ▶8पर

तेलंगाना में SIR आज से
नेताओं को रेवंत की चेतावनी

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कांग्रेस नेताओं को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अभियान को हल्के में न लेने की सख्त चेतावनी दी है। रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार की रक्षा करने जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे गुरुवार से पूरे तेलंगाना में शुरू हो रहे एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अत्यधिक सतर्क और सक्रिय रहें। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन की उपस्थिति में आयोजित एक जूम कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उन रिपोर्टों पर गहरा असंतोष व्यक्त किया, जिनमें कुछ नेताओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में एसआईआर अभियान को गंभीरता से न लेने की बात सामने आई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें एसआईआर जागरूकता बैठकों के संबंध में जिलावार रिपोर्ट मिल चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नेताओं की इस लापरवाही से पार्टी को कोई नुकसान पहुंचता है, तो शीर्ष नेतृत्व मूकदर्शक बनकर नहीं बैठेगा।

गांवों में 10 दिनों की मोहलत

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के सरपंचों से भी आह्वान किया कि वे गांवों में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं और आम जनता को मतदाता सत्यापन प्रक्रिया के महत्व के बारे में शिक्षित करें। उन्होंने कहा कि पार्टी के पास जिला स्तरीय जागरूकता बैठकों में नेताओं की भागीदारी के स्तर की पूरी जानकारी है। इसके साथ ही उन्होंने नेताओं को आगाह किया कि वे ऐसी स्थिति उत्पन्न न होने दें जहां उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करना आवश्यक हो जाए।

रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि मतदाता सूची संशोधन कार्य में किसी भी प्रकार की चूक के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोग अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर पात्र वोट की रक्षा करना पार्टी का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए और इस कार्य में लापरवाही बरतना समाज के वंचित वर्गों के साथ अन्याय करने के समान होगा। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए अगले 10 दिनों की मोहलत दी है और कहा कि ऐसा न होने पर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी विधायकों के कामकाज की बारीकी से निगरानी कर रही है और जिन निर्वाचन क्षेत्रों में विधायक प्रभावी ढंग से काम करने में विफल रहे हैं, वहां नए प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे।

मंत्रियों पर भी गिरेगी गाज

मुख्यमंत्री ने यह भी पूरी तरह साफ कर दिया कि इस मामले में प्रभारी मंत्रियों को भी बख्शा नहीं जाएगा और यदि वे पार्टी के निर्देशों को लागू करने में विफल रहते हैं या पार्टी हितों के खिलाफ काम करते हैं, तो उन्हें उनके पदों से बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं को पार्टी के निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा और एसआईआर पर पार्टी के फैसलों की अनदेखी करने वालों को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जाएगा। ▶8पर

खामेनेई अंतिम संस्कार में मोदी? आधिकारिक न्योता, 4 को कार्यक्रम

नयी दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां) ।
ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया है। फरवरी में अमेरिका-इज़राइल के हवाई हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी।

डब्ल्यूआईओएन की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। इससे पहले 28 फरवरी को खामेनेई के निधन के बाद, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास जाकर भारत सरकार की ओर से शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे।

मई 2024 में जब एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तत्कालीन ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का निधन हुआ था, तब नई दिल्ली ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा करते हुए झंडे आधा झुका दिए थे। उस समय भारत ने तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को तेहरान में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए भेजा था।

4 जुलाई से शुरू होगा अंतिम संस्कार का कार्यक्रम

संघर्ष के कारण लंबे समय तक टलने के बाद, अंतिम संस्कार के कार्यक्रम 4 जुलाई से शुरू होंगे। सबसे पहले खामेनेई के पार्थिव शरीर को 4 जुलाई को तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला कॉम्प्लेक्स में रखा जाएगा। इसके बाद तेहरान और कोम शहर में सार्वजनिक जुलूस निकाले जाएंगे।

इराक के पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में भी प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाएंगी। अंत में 9 जुलाई को खामेनेई के पैतृक शहर मशहद में इमाम रज़ा दरगाह पर उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस दौरान लाखों की संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे। ये कार्यक्रम लगभग चार दशकों तक ईरान को दिशा देने वाले नेता को आधिकारिक विदाई देने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। भारत हमेशा से ईरान को अपने विस्तारित पड़ोस का हिस्सा मानता है, जिसके साथ उसके सभ्यतागत संबंध हैं। पश्चिम एशिया में 40 दिनों तक चले संघर्ष के दौरान पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्षों के साथ कई दौर की बातचीत की है।

जंग की तैयारी में मुनीर!
एलओसी पर 35 एंटी ड्रोन

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)
पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका, तो पाकिस्तान की परेशानियां बढ़ गई हैं। पाकिस्तान ने यह मसला अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भी लेकिन वहां भी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ। इसके बाद अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भारत को जंग छेड़ने की धमकी दे रहे हैं।

वहीं, आर्मी चीफ आसिम मुनीर जंग की साजिश रचने में जुटे हैं। नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की 8 ब्रिगेड ने 35 एंटी ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। पाकिस्तान ने एआई फेंसिंग भी की है। इसके तहत टारगेटिंग और सर्विलांस को तेज किया गया है।

पाकिस्तान ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और काउंटर ड्रोन ग्रिड भी तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से जुड़ी अपनी सीमाओं से 5 बटालियन को इस महीने की शुरुआत में ही मूव कराकर एलओसी के रावलाकोट, कोटली और भीम्बर सेक्टर में तैनात किया है। इन्हीं जगहों से पाकिस्तान भारत में आतंकियों की घुसपैठ भी करता रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने पाकिस्तान को 36 मल्टी रोल जे-सीरीज फाइटर जेट की सप्लाई की है। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी एफ-35 जेट का चीनी वर्जन जे-35 भी साल के अंत तक पाकिस्तान को मिलने वाला है। इस जेट की टेस्ट फ्लाइट्स हो चुकी हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल एआरवाई न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में ▶8पर

मुनीर हत्या मोसाद साजिश

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)

ब्राज़ील के पत्रकार और जियो-स्ट्रैटेजिक एक्सपर्ट पेपे एस्कोबार के एक दावे से पाकिस्तान से लेकर ईरान तक सियासत हिल गई है। पेपे एस्कोबार ने दावा किया है कि इज़राइल की तेज़-तर्रार खुफ़िया एजेंसी मोसाद ने पाकिस्तान के मिलिट्री चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनिर और उनके पूरे डेलिगेशन की हत्या की साजिश रची थी। दावे के मुताबिक इस ऑपरेशन को तब अंजाम दिया जाना था जब पाक आर्मी चीफ ईरान शांति वार्ता के लिए स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में थे।

पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों के बीच हुए शुरुआती समझौते का नाम इस्लामाबाद मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग रखा गया है। इस्लामाबाद एमओयू पर आगे की बातचीत जिनेवा में हुई, जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित कई बड़े अधिकारी शामिल हुए।

आसिम मुनिर की हत्या की मोसाद की साज़िश का सनसनीखेज दावा ब्राज़ील के खोजी पत्रकार और जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट पेपे एस्कोबार ने किया। यह दावा उन्होंने मारियो नवाफ़ल के पॉडकास्ट के दौरान किया। मारियो एक पॉलिटिकल कमेंटेटर और इंटरनेट परसनैलिटी हैं। एस्कोबार ने दावा किया कि पाकिस्तानी मिलिट्री इंटेलिजेंस को बहुत भरोसेमंद जानकारी ▶8पर

मौत की खाई
सिया 'जान' की दुश्मन ?

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)
लोहागढ़ किले की ऊंची चट्टानों से गिरकर 26 वर्षीय केतन अग्रवाल की मौत ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया है। शुरुआत में इसे एक हादसा माना गया था, लेकिन पुलिस जांच में सामने आई कहानी किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं लगती। पुलिस का आरोप है कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके दोस्त चेतन चौधरी ने मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची और 18 जून को उसे चट्टान से धक्का दे दिया। अब इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि कुछ महीनों बाद शादी करने वाली युवती अपने होने वाले पति की जान की दुश्मन बन गई? केतन के पिता विशाल अग्रवाल अपने बेटे को याद करते हुए भावुक हो जाते हैं। उन्होंने कहा, वह बुढ़ापे में मेरा सहारा बनने वाला था। मुझे उम्मीद थी कि वह ▶8पर

फरवरी के रोका, जून में हत्या

फरवरी महीने की उन खुशियों भरी तस्वीरों को देखकर शायद ही कोई यह कल्पना कर सके कि कुछ महीनों बाद यही रिश्ता एक सनसनीखेज हत्याकांड की वजह बन जाएगा। केतन विशाल अग्रवाल और सिया गोयल के रोका समारोह का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों बेहद खुश और उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 20 और 21 फरवरी का है, ▶8पर

मलबे में मेहनत
5 मजदूर मरे, 20 बचाये गये

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)
दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 20 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है, जिनमें दो आईसीयू में हैं। अन्य 18 की हालत खतरे से बाहर है। मौके पर मौजूद युवक ने मलबे में दबे एक मजदूर का पैर पकड़कर रेस्क्यू टीम को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद टीम ने उसे बाहर निकाला। युवक ने बताया कि मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था ` मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो पैर का बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि अभी भी मलबे में 10 से 15 लोगों के दबे होने की आशंका है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। लापरवाही के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री अग्निमित्रा पॉल और कौशिक चौधरी समेत कई मंत्री भी मौजूद रहे।

नेपाल-चीन के बीच पहली अंतरदेशीय बिजली प्रसारण लाइन बनने की उम्मीद

काठमांडू

नेपाल और चीन के बीच पहली अंतरदेशीय विद्युत प्रसारण लाइन बनने की उम्मीद मजबूत हुई है। सरकार द्वारा चिलिमे-केरुङ-जिलोङ 220 केवी अंतरदेशीय प्रसारण लाइन के कार्यान्वयन के लिए चीन को लेटर आफ रिप्लाई भेजने का निर्णय लेने के साथ ही लंबे समय से चर्चा में रही यह परियोजना निर्णायक चरण में पहुंच गई है।

इस निर्णय के साथ नेपाल ने भारत और बांग्लादेश के बाद उत्तरी पड़ोसी चीन के साथ भी बिजली व्यापार की दिशा में रणनीतिक कदम बढ़ाया है। वर्तमान में नेपाल का अंतरदेशीय बिजली व्यापार भारतीय प्रसारण प्रणाली के माध्यम से होता है। ऐसे में चीन के साथ सीधी प्रसारण लाइन जुड़ना ऊर्जा क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। प्रस्तावित प्रसारण लाइन चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के सिगात्से स्थित जिलोङ काउंटी से शुरू होगी। जिलोङ नेपाल-चीन सीमा के उत्तरी क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। यह प्रसारण लाइन चीन की ओर लगभग 94 किलोमीटर और नेपाल की ओर लगभग 26 किलोमीटर लंबी होगी, जिसकी कुल लंबाई करीब 120 किलोमीटर होगी। यह लाइन रसुवागढ़ी होते हुए रसुवा के चिलिमे हब तक पहुंचेगी। नेपाल-चीन अंतरदेशीय प्रसारण लाइन परियोजना के प्रमुख कोमलनाथ आत्रेय के अनुसार, दोनों देशों के बीच अंतिम कार्यान्वयन समझौते की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा, विदेश मंत्री की चीन यात्रा के दौरान इस विषय को उच्च प्राथमिकता दी गई थी। अब दोनों पक्षों के बीच अंतिम समझौता होना बाकी है। सरकार का पत्र स्वीकृति प्रक्रिया में है और हमें उम्मीद है कि जल्द ही समझौता पूरा हो जाएगा। आत्रेय के अनुसार, प्रारंभिक योजना के तहत दोनों देशों को अपने-अपने भूभाग में निर्माण कार्य स्वयं करना था। लेकिन बाद में चीन ने नेपाल वाले हिस्से को भी अनुदान के तहत बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसके कारण परियोजना की कार्यान्वयन प्रणाली में बदलाव करना पड़ा। नेपाल लंबे समय से चीन के साथ इस प्रसारण लाइन के निर्माण के लिए औपचारिक पहल करता आ रहा है। सन् 2017 में तत्कालीन उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री कृष्ण बहादुर महरा की चीन यात्रा के दौरान इस परियोजना को आगे बढ़ाने पर प्रारंभिक सहमति बनी थी। इसके बाद 2018 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चीन यात्रा के दौरान आगे की कार्यविधि तय हुई। 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने जिलोङ/केरुङ-रसुवागढ़ी-चिलिमे 220 केभी प्रसारण लाइन को शीघ्र निर्माण करने पर सहमति जताई। फिर 2025 में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चीन यात्रा के दौरान इस परियोजना को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत शामिल किया गया। बीआरआई कार्यान्वयन फ्रेमवर्क में शामिल 10 परियोजनाओं में इसे सबसे आगे बढ़ा हुआ प्रोजेक्ट माना जा रहा है। यही कारण है कि इसे नेपाल में बीआरआई के तहत लागू होने वाली पहली ठोस आधारभूत संरचना परियोजना के रूप में देखा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बेलारूस ने अपनी सेना का तेजी से किया विस्तार, नए सैन्य कमांड बनाए

बेलारूस। बेलारुस की सरकार रूस-यूक्रेन युद्ध में सीधे शामिल होने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विपक्षी संगठन यूनाइटेड ट्रांजिशनल कैबिनेट ने इस बारे में एक रिपोर्ट यूक्रेन सरकार को सौंपी है। विपक्ष का कहना है कि पिछले कुछ सालों में बेलारूस ने ऐसे कई कदम उठाए हैं, जो युद्ध की तैयारी की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में बताया है कि देश ने अपने सैन्य कानूनों में बदलाव किए हैं। इन बदलों के चलते जरूरत पड़ने पर विदेशों में सेना भेजने का रास्ता खुल गया है। रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी नेता स्वेतलाना त्सिखानोव्सकाया ने कहा कि यूक्रेन का संघर्ष केवल उसकी आजादी की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह बेलारूस के लोकतांत्रिक भविष्य से भी जुड़ा है। उनका मानना है कि यूक्रेन की सफलता बेलारूस में राजनीतिक बदलाव की उम्मीदों को मजबूत कर सकती है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेलारूस ने कुछ सालों में अपनी सेना का तेजी से विस्तार किया है। सैनिकों की संख्या बढ़ाई है, नए सैन्य कमांड बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में रिजर्व बल तैयार किए जा रहे हैं। विपक्ष का यह भी आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया का दायरा बढ़ाया गया है और कैदियों को भी सेना में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट में दावा है कि बेलारूस में रूसी सैनिकों की मौजूदगी बढ़ी है, जबकि रूस के सामरिक परमाणु हथियार और अन्य आधुनिक मिसाइल सिस्टम भी वहां तैनात की हैं, साथ ही रूसी वैगनर ग्रुप के ट्रेंड बेलारूसी सैनिकों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। हालांकि, यह सभी दावे बेलारूस के विपक्ष की रिपोर्ट पर आधारित हैं। सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

चीन से 24 फाइटर जेट खरीदेगा बांग्लादेश, प्रधानमंत्री रहमान के बीजिंग दौरे पर लग सकती हैं मोहर

ढाका। बांग्लादेश अपनी वायुसेना की युद्धक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में चीन से 24 अत्याधुनिक जे-10सीई मल्टी-रोल फाइटर जेट खरीदने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देशों के बीच रक्षा सौदे को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया काफी तेज है। इस सैन्य समझौते पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की आगामी चीन यात्रा के दौरान बड़ी प्रगति होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री रहमान इसी सप्ताह चीन के दौरे पर जा रहे हैं, जहां 26 जून को उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होगी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्वी मोर्चे पर होने वाली रणनीतिक हलचल भारत के लिए चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि पाकिस्तान की वायु सेना भी पहले से ही इसी चीनी फाइटर जेट का संचालन कर रही है। ढाका और बीजिंग के बीच बढ़ता यह रक्षा सहयोग दोनों देशों के गहरे होते रणनीतिक रिश्तों को दिखाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश सरकार आगामी अगस्त महीने तक इस फाइटर जेट सौदे को पूरी तरह फाइनल करने की उम्मीद जाहिर कर रही है।

चर्चा का विषय बनीं अमेरिका की अनोखी डार्क सीक्रेट सेवा

वाशिंगटन। अमेरिका में एक ऐसी अनोखी सेवा चर्चा का विषय बनी हुई है, जो अंतिम संस्कार को रहस्य और जिज्ञासा से भर देने का दावा करती है। इस सेवा का नाम डार्क सीक्रेट बताया जा रहा है। इस सेवा के तहत एक रहस्यमयी महिला अंतिम संस्कार में पहुंचती है, कुछ देर तक चुपचाप शोक व्यक्त करती है। इसके बाद महिला बिना किसी से बात किए वहां से चली जाती है। उसका उद्देश्य केवल एक ऐसा सवाल छोड़ जाना होता है, जिसका जवाब किसी के पास नहीं होता। जानकारी के अनुसार, इस सेवा को लेने वाले लोग एक निश्चित शुल्क देकर उस महिला को अंतिम संस्कार में बुलाते हैं। महिला पूरी तरह काले परिधान में, हाथ में छाता लिए और बेहद गंभीर भाव-भंगिमा के साथ समारोह में पहुंचती है। वह किसी से बातचीत नहीं करती, न ही अपनी पहचान बताती है। पूरे समय वह दूर खड़ी होकर मृतक को श्रद्धांजलि देती हुई दिखाई देती है और फिर अचानक वहां से चली जाती है। उसके जाने के बाद उपस्थित लोगों के बीच यह चर्चा शुरू हो जाती है कि वह कौन थी और मृतक से उसका क्या संबंध था। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य अंतिम संस्कार को एक यादगार और रहस्यमय अनुभव में बदलना बताया जाता है। आयोजकों का दावा है कि इससे लोगों के मन में मृतक को लेकर एक अनकही कहानी और जिज्ञासा बनी रहती है। कई लोग इसे अंतिम विदाई में भावनात्मक और नाटकीय तत्व जोड़ने का नया तरीका मानते हैं, जबकि कुछ इसे केवल ध्यान आकर्षित करने की कोशिश बताते हैं।

ईरान को कौन देगा 300 अरब डालर रुबियो की खाड़ी यात्रा पर टिकी निगाहें

तेहरान

मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने वाले प्रस्तावित समझौते की सबसे बड़ी और जटिल शर्त ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए 300 अरब डालर के फंड की व्यवस्था है। यह भारी-भरकम राशि ईरान को युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त मानी जा रही है, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इस रकम का भुगतान कौन करेगा। इस्लामाबाद एमओयू नामक दस्तावेज में यह लिखा है कि अमेरिका अपने खाड़ी के साझेदारों के साथ मिलकर ईरान के लिए कम से कम 300 अरब डालर की एक ठोस योजना तैयार करेगा, और इस योजना को अंतिम समझौते के साथ 60 दिनों के भीतर लागू किया जाएगा। इस फंड के अलावा, अमेरिका सभी आवश्यक लाइसेंस, छूट और अनुमतियां भी देगा ताकि पैसे के लेन-देन में कोई रुकावट न आए। साथ ही, अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होते ही ईरान पर लगी सभी प्रकार की पाबंदियां हटा ली जाएंगी और उसे तुरंत तेल बेचने की छूट मिल जाएगी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ईरान को ये सब पाने के लिए 60 दिनों के भीतर शर्तों का पालन करना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स का एक भी डालर ईरान को नहीं जाएगा। ऐसे में यह सवाल और गहरा हो जाता है कि ईरान को इतनी बड़ी रकम देगा कौन

इस डील को लेकर विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका इसके पैसे अपने अमीर खाड़ी देशों से वसूलेगा। यह बात ध्यान देने योग्य है कि ये वही खाड़ी देश हैं, जहां अमेरिका के सैन्य अड्डे स्थित हैं और जिन पर युद्ध के दौरान ईरान ने हजारों ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। युद्ध से तबाह हो चुके ईरान को इस फंड की सख्त जरूरत है, लेकिन खाड़ी देश अभी इस भुगतान के लिए तैयार नहीं दिख रहे हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने पिछले हफ्ते इस फंड पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, यह कहकर बात टाल दी कि पहले विश्वास बहाल करना होगा। उनका मानना है कि ईरान के हमलों के बाद रिश्ते सुधारने की बातचीत जरूरी है, उसके बाद ही आर्थिक सहयोग और निवेश की बात हो सकती है। सऊदी अरब इस समय अपनी घरेलू परियोजनाओं को प्राथमिकता दे रहा है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पहले ही ईरान से युद्ध क्षतिपूर्ति की मांग की थी, हालांकि समझौते से पहले उसका रुख कुछ नरम हुआ था। यूएई युद्ध से पहले ईरान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार भी था, बावजूद इसके उसे ईरान के हमलों का सामना करना पड़ा था, जिससे उसके भीतर विश्वास की कमी है। इन तमाम सवालों के बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो तीन दिन के खाड़ी देशों के दौरे पर आ रहे हैं, जहां वे यूएई, कुवैत और बहरीन के नेताओं से मुलाकात करेंगे। उनकी इस यात्रा का मुख्य मकसद अपने साझेदार देशों में यह विश्वास जगाना है कि तेहरान के साथ अमेरिका की डील से उनका कोई नुकसान नहीं होगा। उन्हें इन देशों को यह स्पष्ट करना होगा कि 300 अरब डालर का निवेश पैकेज आएगा कहां से और उसे कैसे इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका के लिए तो यह एक डील है, लेकिन खाड़ी देशों के लिए यह उनके अस्तित्व और सुरक्षा का सवाल है, क्योंकि तेहरान यह रकम मिलने के बाद खुद को आर्थिक रूप से खड़ा तो करेगा, लेकिन उनकी सैन्य और क्षेत्रीय प्रभाव भी मजबूत होगा। कतर, बहरीन, कुवैत, यूएई और सऊदी जैसे देश खाड़ी की सुरक्षा में अहम योगदान निभाते हैं, ऐसे में ईरान का मजबूत होना उनके लिए सिरदर्द बन सकता है। खाड़ी देशों को इस बात का डर है कि पैसा ईरान के हथियारों और प्राक्सी समूहों पर खर्च न हो जाए। इसलिए उन्हें मजबूत गारंटी चाहिए। जब तक उन्हें यह विश्वास मिल नहीं जाता, तब तक वे शायद ही अपना कोष ईरान के लिए खोलें। समझौते में ईरान के फ्रोजन असेट्स को पूरी तरह उपलब्ध कराने का वादा है, जिसके लिए जेडी वेंस ने कतर और जेयर्ड कुश्नर द्वारा निकाले गए दिलचस्प समाधान का जिक्र किया। अमेरिका और कतर इस प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। वेंस के मुताबिक, अगर पैसे छोड़े गए तो वे ईरानी लोगों को खाना खिलाने और अमेरिकी किसानों को फायदा पहुंचाने में लगाए जाएंगे, जिससे ईरान अमेरिका से सोयाबीन, मक्का और गेहूं खरीद सकेगा। हालांकि, तेहरान के केंद्रीय बैंक ने इस दावे से इनकार कर दिया है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है।

ईरान ने कहा- अब होर्मुज पहले जैसी स्थिति में कभी नहीं चलेगा

तेहरान

अमेरिका के साथ हालिया वार्ता के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को लेकर किसी भी गलतफहमी को दूर करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए एक टेलीफोनिक हाटलाइन स्थापित करने का फैसला किया है। ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गलिबाफ ने स्विट्जरलैंड यात्रा से वापस आने के बाद यह बात कही। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि होर्मुज अब पहले जैसी स्थिति में कभी नहीं लौट पाएगा और इसका प्रबंधन ईरानी प्रशासन के ही जिम्मे रहेगा। गलिबाफ ने कहा कि सबको इस बात का पता होना चाहिए कि युद्ध से पहले होर्मुज से आवाजाही जिस तरीके से चल रही थी, अब वैसे नहीं चल पाएगी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि ईरान अमेरिका पर ना कभी विश्वास करता था और ना ही आगे कर पाएगा। वार्ता में ईरान और अमेरिका एक कोआर्डिनेशन मकैनिज्म बनाने पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत कोई भी जहाज हाटलाइन के जरिए संपर्क कर सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनान में संघर्ष खत्म करने की दिशा में हुई प्रगति का स्वागत किया है, लेकिन यह भी कहा कि नया प्रकोष्ठ ईरान और अमेरिका के बीच हुए समझौते की पहली बड़ी परीक्षा होगी।

यूएस को धोखेबाज बताया और हाटलाइन स्थापित करने का ऐलान किया

अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक के अनुसार, बर्गेनस्टाक में हुई बातचीत में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के हालिया बयानों से पैदा हुई उलझन, नौवहन की आज़ादी सुनिश्चित करने के उपाय और लेबनान में तनाव बढ़ने से रोकने के तरीके शामिल थे। राजनयिक ने कहा कि बातचीत करने वालों ने भविष्य में संभावित परमाणु समझौते के पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की और इस बात पर सहमत हुए कि आने वाले दिनों में तकनीकी बातचीत जारी रहेगी। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल के तेहरान लौटने से पहले बातचीत का पहला दौर लगभग 18 घंटे तक चला। बैठकों के अगले दौर के लिए हालांकि कोई समय-सारणी घोषित नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद है कि दोनों पक्ष इस सप्ताह बातचीत जारी रखेंगे। वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों और होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवाजाही को शामिल करते हुए एक व्यापक समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता लाना है।

भूकंप के बाद 200 मीटर पीछे खिसका समुद्र, तटीय इलाकों का नक्शा बदला

मिंडानावो। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से मिंडानावो में 8 जून 2026 को आए भीषण भूकंप के बाद एक असाधारण प्राकृतिक घटना देखने को मिली, जहां समुद्र का पानी अचानक लगभग 200 मीटर पीछे हट गया। इस हैरतअंगेज बदलाव ने तटीय इलाकों का पूरा नक्शा बदल दिया और स्थानीय लोगों के साथ-साथ दुनिया भर के वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया। 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के दो दिन बाद जब लोग समुद्र तट पर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि जहां कुछ दिन पहले तक नावें तैरती थीं, वहां अब सूखी जमीन दिखाई दे रही है। समुद्र के पीछे हटने से मूंगे की चट्टानें, समुद्री घास और अन्य समुद्री संरचनाएं खुलकर सामने आ गईं, जिससे क्षेत्र का पूरा स्वरूप ही परिवर्तित हो गया। इस असामान्य बदलाव ने गहरे पानी वाले क्षेत्रों को अकल्पनीय रूप से उजागर कर दिया, जिससे लोगों के मन में कई सवाल खड़े हो गए थे। वैज्ञानिकों ने इस घटना को किसी रहस्यमयी या अलौकिक शक्ति का परिणाम नहीं, बल्कि एक सामान्य भूवैज्ञानिक प्रक्रिया बताया है, जिसे तटीय उत्थान कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, भूकंप के दौरान पृथ्वी की सतह के नीचे जमा अत्यधिक दबाव अचानक मुक्त हो जाता है। इस प्रक्रिया में जमीन और समुद्र तल का कुछ हिस्सा ऊपर उठ जाता है।

जेडी वेंस ने स्पष्ट कहा-भारत किसी भी हाल में नहीं मानेगा

वाशिंगटन

अमेरिकी राजनीति में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के भीतर की कहानियों को बयां करने वाली एक नई किताब रेजीम चेंज में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस किताब में बताया गया है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बार यूक्रेन युद्ध में भारतीय सैनिकों को तैनात करने का एक विवादास्पद प्लान तैयार किया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने इसका प्रस्ताव भी रखा, लेकिन ट्रंप ने इसे सुनते ही सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने साफ कहा था कि भारत इसके लिए कभी तैयार नहीं होगा, भले ही उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंध बेहद शानदार क्यों न हों। किताब में ओवल आफिस की एक बेहद गोपनीय बैठक का जिक्र है, जो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के महज 10 दिन बाद, 30 जनवरी 2025 को बुलाई गई थी। इस हाई-लेवल बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सुझाव दिया कि यूक्रेन में सीजफायर की निगरानी के लिए भारत या सऊदी अरब के सैनिकों को शांति सैनिक बनाकर तैनात किया जाना चाहिए। हालांकि, ट्रंप ने वेंस की इस बात को बिल्कुल तवज्जो नहीं दी। किताब के मुताबिक, ट्रंप ने योजना सुनकर बेबाकी से कहा, भारतीय ऐसा नहीं करेंगे। वे इसके लिए कभी भुगतान नहीं करेंगे। उन्होंने माना कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं और प्रधानमंत्री मोदी मुझे बहुत पसंद करते हैं और वे

यहां आना चाहते हैं। लेकिन इसके तुरंत बाद ट्रंप ने फिर कहा, भारतीय ऐसी चीज के लिए कभी मानेंगे।

ट्रंप ने आगे स्पष्ट किया कि अगर ब्रिटेन या फ्रांस अपने सैनिकों को वहां भेजना चाहते हैं, तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, बशर्ते अमेरिका पर इसका कोई वित्तीय या सैन्य बोझ न पड़े। दरअसल, यह पूरी बैठक ट्रंप के विशेष दूत रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलाग ने बुलाई थी। उन्होंने ऐन अमेरिका फर्स्ट प्लान: ट्रम्प्स हिस्टोरिक पीस डील फार रशिया-यूक्रेन वार नाम से एक ड्राफ्ट पेश किया था।

इस प्लान के तहत अमेरिका, यूक्रेन की जमीन पर रूस के कब्जे को आधिकारिक मान्यता नहीं देता, लेकिन यूक्रेन भी इसे वापस लेने की कोशिश नहीं करेगा। युद्ध रोकने के लिए फ्रांस, ब्रिटेन और नीदरलैंड जैसे यूरोपीय देशों के सैनिकों को जमीन पर तैनात करने का सुझाव था।

हालांकि, वेंस ने इस प्लान पर कड़ी आपत्ति जताई। उनका तर्क था कि नाटो देशों के सैनिकों को यूक्रेन में तैनात करना रूस को सीधे उकसाने जैसा होगा। इससे तनाव इतना बढ़ सकता है कि अमेरिका भी सीधे तौर पर इस युद्ध में घिसट जाएगा। इसी वजह से वेंस ने यूरोप से बाहर के देशों जैसे भारत और सऊदी अरब का नाम सुझाया था, जिसे ट्रंप ने यह कहकर खारिज कर दिया कि भारत ऐसी किसी भी योजना के लिए सहमत नहीं होगा और न ही इसका वित्तीय बोझ उठाएगा।

पीएम स्टार्मर के इस्तीफे का वैश्विक राजनीति पर होगा असर, ब्रिटेन में नेतृत्व परिवर्तन के साथ अंतरराष्ट्रीय कूटनीति

लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के इस्तीफे ने न केवल ब्रिटिश राजनीति में हलचल पैदा की है, बल्कि इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। लेबर पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से उनके हटने के बाद ब्रिटेन में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसका असर वैश्विक कूटनीति, व्यापारिक संबंधों और यूरोपीय राजनीति पर पड़ सकता है।

इस्तीफा देने के साथ ही 10 डाउनिंग स्ट्रीट से राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी अब उन्हें अगले चुनाव में नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं मानती। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि बताते हुए पद छोड़ने का निर्णय लिया और नए नेता को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। हाल के महीनों में पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर असंतोष लगातार बढ़ रहा था। कई सांसदों और नेताओं ने उनकी नीतियों और निर्णयों पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में

अपेक्षित सफलता नहीं मिलने और लोकप्रियता में गिरावट ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ाया। यहां बताते चलें कि ब्रिटेन में प्रधानमंत्री का चयन सीधे जनता द्वारा नहीं किया जाता। संसद में बहुमत रखने वाली पार्टी का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है। इसलिए लेबर पार्टी के नए नेता का चुनाव ही ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री का रास्ता तय करेगा। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति जुलाई में नए नेता के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करेगी और मध्य जुलाई तक नए नेता के चयन की संभावना जताई जा रही है।

मेयर बर्नहैम मजबूत दावेदार

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम को इस समय सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उन्हें पार्टी के विभिन्न गुटों का समर्थन मिलने की चर्चा है। इसके अलावा एंजेला रेनर, यवेट कूपर और वेस स्ट्रीटिंग जैसे नेताओं के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं।

भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंध होंगे प्रभावित

विश्लेषकों का मानना है कि ब्रिटेन में नेतृत्व परिवर्तन का असर भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों, यूरोप के साथ ब्रिटेन के रिश्तों और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पड़ सकता है। विशेष रूप से ब्रेक्जिट के बाद यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को पुनर्संतुलित करने की प्रक्रिया पर नए नेतृत्व की नीति महत्वपूर्ण साबित होगी। हालांकि विभिन्न विवादों और राजनीतिक दबावों को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति या नेता के संबंध में लगाए गए आरोपों अथवा नामों की स्वतंत्र और आधिकारिक पुष्टि के बिना उन्हें तथ्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुंह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे असे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 जून 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:11 तक
नक्षत्र : स्वाति सायं 04:30 तक
योग : शिव प्रात: 10:53 तक
करण : वणिज प्रात: 07:10 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : निर्जला एकादशी व्रत , भद्रा प्रात: 07:09 से रात्रि 08:11 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सेवा धर्म सबसे महान और सर्वोच्च धर्म : कमल मुनि कमलेश

बेंगलुरु, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीरधि जैन सकल संघ की ओर से आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत कमल मुनि कमलेश जी ने कहा कि तपस्या, साधना और आराधना करने के बाद भी जो व्यक्ति सेवा धर्म की उपेक्षा करता है, उसका उत्थान और कल्याण तीनों कालों में भी संभव नहीं है। सेवा सबसे महान और सर्वोच्च धर्म है। सभी धर्मों के ग्रंथ, पंथ, संत और आराध्य भले ही अलग–अलग हों तथा उनमें मतभेद दिखाई देते हों, लेकिन सभी ने सेवा को धर्म का वास्तविक प्राण माना है। महापुरुषों ने न केवल सेवा धर्म को स्वीकार किया, बल्कि स्वयं अपने जीवन में अपनाकर उसका आदर्श प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के, निस्वार्थ भाव से समस्त प्राणियों को परमात्मा का स्वरूप मानकर उनकी सेवा में समर्पित हो जाता है, वह स्वयं महापुरुष बन जाता है। सेवा धर्म को सभी तीर्थों का सार माना गया है। सेवा करके यदि कोई एहसान जताता है तो उसके पुण्य का फल मिट्टी में मिल जाता है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि जो व्यक्ति दीन–दुखियों, बीमारों, पीड़ितों एवं अभावग्रस्त लोगों की गुप्त रूप से सेवा करता है, उसे जो मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त होता है, वह तीनों लोकों की संपत्ति से भी बढ़कर होता है। उसे एक अमूल्य और गुप्त खजाना प्राप्त होता है। वहीं सेवा को अहंकार, प्रदर्शन और दिखावे का माध्यम बनाने वाला व्यक्ति धर्म नहीं, बल्कि पाप का संचय करता है।

कमल मुनि जी ने कहा कि यदि कोई सच्चे अर्थों में धर्म और परमात्मा को पाना चाहता है, तो वह केवल मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे में ही नहीं मिलेगा। जिन लोगों को दुनिया पागल कहकर ठुकरा देती है, यदि उनकी सेवा में स्वयं को समर्पित कर दिया जाए तो असंभव भी संभव हो जाता है और जीवन के नए नसीब का निर्माण होता है।

उन्होंने आगे कहा कि अवसर आने पर जो व्यक्ति अपनी साधना छोड़कर सेवा कार्य में जुट जाता है, वह सभी धर्मों का सार प्राप्त कर लेता है। जब मानवता दम तोड़ रही हो और लोग केवल मंत्र–जप तथा पूजा–पाठ में लगे रहें, तो इससे बड़ा पाखंड और कुछ नहीं हो सकता। सुपात्र की सेवा करना अनंत गुना फलदायी होता है।

इस अवसर पर अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच, नई दिल्ली की कर्नाटक शाखा के प्रमुख अनिल गाना ने बताया कि गुरु भक्तों के सहयोग से राष्ट्रसंत कमल मुनि जी के सान्निध्य में संत सेवा के लिए लगभग 5 लाख रुपये की राशि एकत्रित की गई है।

मेवाड़ ओसवाल साधना संघ के युवा अध्यक्ष कुशल मेहता, मंत्री वायरल पीतलिया, विनोद पोखरना, महेश मांडोत, महावीर मेहता, पंकज मेहता एवं मनोज मेहता ने सभी दानदाताओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संजय कचोलिया ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश, तपस्वी घनश्याम मुनि जी, सेवामूर्ति अभिजीत मुनि जी, कौशल मुनि जी, अक्षत मुनि जी, युवा मनीषी सक्षम मुनि जी तथा नवदीक्षित रवि मुनि जी सहित सात संतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।कॉन्फ्रेंस के महामंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि दिवाकर मंच की ओर से सभी दानदाताओं का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और आध्यात्मिक प्रेरणा के वातावरण में संपन्न हुआ।

सरकारी ज़मीनों पर अवैध कब्ज़े हटाए, दोषियों पर कार्रवाई

पेद्दापल्ली, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलैक्टर कोय श्रीहर्ष ने बुधवार को एक बयान में कहा कि जिला प्रशासन सरकारी ज़मीनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है और अवैध कब्ज़ों, गैर–कानूनी पट्टों तथा ज़मीन की गड़बड़ियों पर सख्त कार्रवाई करता रहेगा।

उनके आदेश पर मुथाराम मंडल के पोटाराम और मैदांबंडा गांवों में सरकारी ज़मीनों पर अवैध रूप से बनाए गए पट्टों की जांच की गई। रेवेन्यू रिकॉर्ड, फील्ड ऑब्ज़र्वेशन, संबंधित अधिकारियों की रिपोर्ट और मौजूद सबूतों की जांच में पाया गया कि पोटाराम गांव में सर्वे नंबर 59 में 01 गड्ढे वाली 19 एकड़ ज़मीन और मैदांबंडा गांव में सर्वे नंबर 113 में 02 गड्ढों वाली 11 एकड़ ज़मीन सरकारी ज़मीन है।

जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि संबंधित लोगों ने कभी उस ज़मीन पर खेती नहीं की थी और ज़मीन उनके असली कब्ज़े में भी नहीं थी। इसलिए अवैध पट्टे रद्द कर दिए गए और ज़मीनों को वापस सरकारी कब्ज़े में लेकर नेशनल अकाउंट में रजिस्टर कर दिया गया। कब्ज़े हटाने की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। जिला कलैक्टर ने कहा कि इस मामले में शामिल लोगों ` मिशन भागीरथ मंथनी सब–डिवीजन हेल्पर गुज्जुला श्रीधर, मंथनी मुथाराम एमपीडीओ ऑफिस डेटा एंट्री ऑपरेटर पदान सतीश, मुथाराम नरेगा फील्ड असिस्टेंट धूमला श्रवण, और सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़ा करने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनों और नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की गई है।

स्कूल का एमईओ ने किया दौरा

निज़ामाबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। साउथ ज़ोन एमईओ साई रेड्डी ने मंगलवार को जीपीएस कोटागल्ली शंकर भवन प्राइमरी स्कूल का औचक निरीक्षण किया। एचएम रामचंदर गायकवाड़ ने बताया कि स्कूल शुरू होने के बाद 62 नए छात्र रजिस्टर्ड हुए हैं, 60 छात्र कक्षा–6 में गए हैं और 5 छात्र प्री–प्राइमरी में रजिस्टर्ड हुए हैं।

एमईओ ने शिक्षकों और छात्रों के अटेंडेंस रजिस्टर जांचे और कक्षाओं में शिक्षण व्यवस्था देखी। उन्होंने प्री–प्राइमरी में दाखिले बढ़ाने और कुल रजिस्ट्रेशन में पिछले साल की तुलना में 10% बढ़ोतरी का लक्ष्य रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीनियर टीचर दयानंद भी मौजूद रहे।

प्रेस क्लब फेडरेशन ऑफ इंडिया में शामिल हुआ हैदराबाद प्रेस क्लब

नई दिल्ली में हुई पहली बैठक, राष्ट्रीय कार्यकारिणी गठित

नई दिल्ली, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश में स्वतंत्र मीडिया के सामने आ रही अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए देश भर के प्रमुख प्रेस क्लबों के प्रतिनिधि राष्ट्रीय राजधानी में एकत्रित हुए। इसी क्रम में, हैदराबाद प्रेस क्लब आधिकारिक तौर पर प्रेस क्लब फेडरेशन ऑफ इंडिया में शामिल हो गया है।

फेडरेशन की पहली बैठक सोमवार को नई दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (दिल्ली), हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, चंडीगढ़, इंदौर, अगरतला और गुवाहाटी के अध्यक्षों और सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान देश भर में स्वतंत्र मीडिया के समक्ष मौजूद अवसरों और चुनौतियों पर गहन विचार–विमर्श किया गया।

बैठक के समापन के बाद फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पत्रकारों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं, जो आगामी समय में फेडरेशन के कामकाज को आगे बढ़ाएंगे।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में गौतम लाहिड़ी (प्रेस क्लब ऑफ इंडिया) को अध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ ही एस. विजय कुमार रेड्डी (हैदराबाद), समर खुरदास (मुंबई) और स्नेहाशीष सुर (कोलकाता) को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।

चंडीगढ़ के सौरभ दुग्गल को महासचिव, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के संगीत बरू को सहायक सचिव और नीरज ठाकुर को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इसके अलावा, कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के रूप में प्रणब सरकार (अगरतला), प्रवीण कैरावल (इंदौर) और काहेन कलित (गुवाहाटी) का चयन किया गया है।

रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में दक्षिणा मूर्ति की स्थापना

पेद्दापल्ली, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): सरकारी व्हिप और पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव ने मंगलवार को श्री भवानी शंकरा माडला रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में दक्षिणामूर्ति मूर्ति की स्थापना और गलीगोपुरम के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

उन्होंने कलुष पूजा होम महोत्सव में शामिल होकर विशेष पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर म्युनिसिपल चेयरमैन, पार्षद, मंदिर कमेटी के चेयरमैन व सदस्य, भक्तगण और कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर भंवरलाल गुप्ता ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना से ही एक सशक्त एवं संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम में उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान और जनसेवा के कार्य समाज के लिए प्रेरण–स्रोत हैं। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, समर्पण और मानवता की भावना से ओतप्रोत रहा। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मदनूर में 8 एकड़ क्षेत्र में 400 ऑयल पाम पौधों का वृक्षारोपण

ऑयल पाम की खेती से किसान बढ़ा सकते हैं आय : कृषि अधिकारियों का आह्वान

मदनूर, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय कृषि अधिकारी राजू ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के तत्वावधान में संचालित मेगा ऑयल पाम प्लांटेशन ड्राइव के अंतर्गत ऑयल पाम डिवीजन, कामारेड्डी के निर्देशानुसार मदनूर मंडल में रमाकांत सेठ इनानी के खेत पर 8 एकड़ क्षेत्र में 400 ऑयल पाम पौधों का विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न किया गया।

कार्यक्रम में कृषि एवं उद्यान अधिकारी रामकृष्ण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास बोरवेल के माध्यम से पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध है, वे ऑयल पाम की खेती अपनाकर अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से इस अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कृषि अधिकारी राजू ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों को ऑयल पाम की खेती की ओर आकर्षित होना चाहिए, क्योंकि यह एक लाभकारी फसल है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही ड्रिप सिंचाई एवं रखरखाव सहायता राशि का किसानों को पूरा लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड की ओर से किसानों को प्रति एकड़ 5,000 रुपये की ड्रिप सिंचाई सहायता प्रदान की जा रही है, जिसका लाभ अधिक से अधिक किसानों को लेना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के कर्मचारियों के सहयोग से मदनूर मंडल में अब तक 61 एकड़ क्षेत्र में ऑयल पाम के पौधों का रोपण किया जा चुका है। इस उपलब्धि पर अधिकारियों एवं किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर मदनूर सरपंच ऊषा के पति संतोष, उपसरपंच रमेश वटनालवार, हिंदुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड ऑयल पाम के महाप्रबंधक, सुरेश मोदानी, राजगोपाल तोषनीवाल, राम महाराज तिवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में ऑयल पाम खेती को बढ़ावा देना तथा किसानों को अधिक आय के स्रोत उपलब्ध कराना रहा।

नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड की 11वीं ऑनलाइन बैठक संपन्न

नई दिल्ली, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड की 11वीं बैठक पहली बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनावश्यक यात्रा से बचने एवं ईंधन संरक्षण के आह्वान को ध्यान में रखते हुए बैठक का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

बैठक की अध्यक्षता बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी ने की। उन्होंने देशहित, व्यापारिक सुधारों एवं व्यापारी कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में व्यापारियों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, ओएनडीसी के सहयोग से चलाए जा रहे 'डिजी दुकान' अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की गई। हैदराबाद एवं जयपुर में कार्यक्रम की सफलता के बाद अब शीघ्र ही बेंगलूरु में भी 'डिजी दुकान' कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कर्नाटक से बोर्ड सदस्य प्रकाश पिरगल ने व्यापारियों की ओर से जीएसटी रिफंड में आ रही समस्याओं, श्रम विभाग से जुड़े मुद्दों तथा एमएसएमई योजनाओं का लाभ छोटे व्यापारियों तक पहुंचाने का विषय प्रमुखता से उठाया।

उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई योजनाओं, बैंक ऋण सुविधाओं, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं एवं व्यापारियों को मिलने वाले विभिन्न लाभों की जानकारी प्रेस विज्ञप्तियों और पंपलेटों के माध्यम से व्यापक स्तर पर व्यापारियों तक पहुंचाई जाए।

प्रकाश पिरगल ने छोटे व्यापारियों को सरल एवं सुलभ बैंक ऋण उपलब्ध कराने, जीएसटी रिफंड मामलों के शीघ्र निपटारे तथा श्रम विभाग से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग भी रखी। इस पर संबंधित अधिकारियों ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बैठक में देशभर से लगभग सभी बोर्ड सदस्य शामिल हुए। इसके अतिरिक्त विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के 9 संयुक्त सचिवों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सहभागिता की।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग- शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी-देश-दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी- भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल- कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण-पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती-यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल-भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

हनुमान जी के गुणों से आलोकित करें जीवन

मनोजवं मारुत तुल्यवेगंए जितेन्द्रियं बुद्धिमना वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथ मुयंएश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥

यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए।

उक्त श्लोक द्वारा हमें सर्वतोमुखी शक्ति के प्रतीक हनुमान जी का यथार्थ चित्रण मिलता है की कैसे वे शरीर के साथ-साथ मन से भी अपार बलशाली थे एवं उन्होंने वासना को जीत लिया था। वे जितेन्द्रिय थे और बुद्धिमानों में भी श्रेष्ठतम थे। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि भारत के लोगों के मन में हनुमान जी का चरित्र उनकी ईश्वर भक्ति, ईश्वर सेवा और ईश्वर के प्रति वफादारी के कारण बहुत ही प्रसिद्ध है। और इसलिए ही यहां के अधिकतर घरों में उनकी मूर्ति प्रतिदिन पूजी जाती है और देश के कोन-कोने में भी उनके अनगिनत मंदिर बने हुए हैं। जन के दिलों में स्थान पाने वाले हनुमान जी की पूजा-अर्चना करना उनके प्रति हमारी श्रद्धा का एक पहलू है, लेकिन उनके चारित्रिक गुणों से प्रेरणा लेना व उनके गुणों को जीवन में आत्मसात करना सर्वथा दूसरा पहलू है। अत: यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए। चैत्र पूर्णिमा के दिन जन्मे हनुमान जी के यूं तो अनेक नाम हैं, परन्तु सर्वाधिक प्रचलित हनुमान शद का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो मान का हनन करने वाला हो। पौराणिक कथाकारों के अनुसार ज्ञानसूर्य परमात्मा के ज्ञान गुण शक्तियों को अपनी बुद्धि में समाहित करने वाले हनुमान जी अनेक आध्यात्मिक शक्तियों से सुसंपन्न रहे, लेकिन अपनी किसी भूल के कारण उन्हें यह शाप मिला कि समय आने पर वे अपनी शक्तियों को भूल जायेंगे और किसी के द्वारा याद दिलाये जाने पर वे शक्तियां जाग्रत हो उठेंगी। अब यह तो हम सब भलीभांति जानते ही हैं कि शाप देने का कार्य कोई श्रेष्ठ व्यक्ति तो कर नहीं सकता, क्योंकि क्योंकि शाप या बददुआ देने वाली तो माया है, अर्थात पांच विकार, तो इसका अर्थ यह हुआ की कलियुग के अंत में जब हम सभी आत्माएं माया द्वारा शापित होकर मूर्च्छित हो जाती हैं और अपनी समस्त शक्तियां खो देती हैं, तब सर्वशक्तिमान परमात्मा हमें ज्ञान संजीवनी द्वारा फिर से सुरजीत करते हैं और माया के शाप से हमें सदा के लिए मुक्त कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप हम अपनी सर्व आध्यात्मिक शक्तियों को पुन: प्राप्त कर लेते हैं। कहते हैं कि इष्ट का उज्जवल चरित्र ह ी साधकों के जीवन को इत्र समान खुशबूदार और गुणवान बनाता है। आत्मा अमर है और उसके द्वारा किए जाने वाले महान चरित्र भी चिरंजीव ही रहते हैं। अत: हमें यह महसूस करना चाहिए कि वर्तमान समय वही युग परिवर्तन की वेला है, जब सर्व शक्तिमान परमात्मा माया रावण के चंगुल में फंसी आत्मा रूपी सीताओं की खोज में धरती पर अवतरित हो चुके हैं। ऐसे समय में भगवान श्री हनुमान जी की तरह त्याग, तपस्या और सेवा को जीवन में धारण करके ईश्वरीय सेवा में मददगार बनने वाली आत्माओं का भगवान आहान कर रहे हैं।

याचना की बजाय गुणों को धारण करें :

संसार की आत्माएं तो हुनमान जी को अष्ट सिद्धि और नवनिधि की पूर्ति की कामना हेतु स्वार्थवश याद करती हैं, परन्तु वर्तमान समय की मांग यह है कि हम समय की नाजुकता को पहचान कर हनुमान जी से याचना करने की बजाय उन जैसे गुणों को धारण करके अनेक याचक आत्माओं की कामना पूर्ति करें और श्री हनुमान जी के गुणों की रोशनी से अपने जीवन-पथ को आलोकित करें। उनके समान ईश्वर प्रेम में रम जाएं और उनके समान ईश्वर समर्पित होकर ईश्वर समान बन जाएं।

दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

विश्वरूप या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग-अलग पुराणों में अलग-अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गि, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पझानाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष,नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

गजानन की जिहा देती है यह सीख

गजानन रूप में भी हम भगवान गणेश की वंदना करते हैं। गजानन अर्थात हाथी के मुख वाला। हाथी की जीभ अन्य प्राणियों से अनोखी होती है। गणेशजी के इस रूप में वाणी का महत्व प्रतिपादित होता है। मनुष्य की उत्तम वाणी महत्व को बढाती है और दोषपूर्ण वाणी सम्मान कम करती है। हाथी की जीभ तो बाहर निकलती ही नहीं। यह तो मुख के भीतरी भाग में है। अर्थात इससे वाणी के अनर्थ

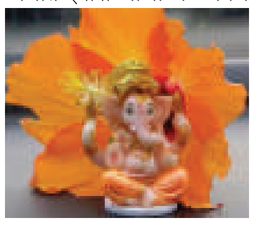

का भय नहीं है और संयम की सीख है। गजा का अर्थ उन ऋषियों और योगियों से भी जुडता है जो समाधि में बैठे रहते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करते हैं। गणेश अपने इस रूप में हमें पदार्थगत वासना से उबरकर मोक्ष की राह तलाशने की सीख देते हैं। भगवान गणेश का यह रूप यह भी सीख देता है कि जिस तरह हाथी संयमित जीवन से 120 वर्ष जी सकता है मनुष्य भी नियंत्रण से लंबा और सुखी जीवन बिता सकता है।

धन व संतान की दीर्घायु के लिए कीजिएयह व्रत

शुक्रवार का व्रत विशेष रूप से धन व संतान की दीर्घायु के लिए किया जाता है। इस दिन लक्ष्मी जी का व्रत करने का विधान है। इस व्रत में श्वेत फूल, सफेद वस्त्र, घी-शक्कर का नैवेद्य होम के रूप में लक्ष्मीजी को अर्पित किया जाता है

व्रत की कथा

एक वृद्ध महिला थी। उसका एक ही पुत्र था। विवाह के बाद सास, बहू से घर का सारा काम करवाती थी और खाना भी ठीक से नहीं देती थी। लडका ये सब कुछ देखता लेकिन अपनी मां से कुछ भी नहीं कहता था। हर दिन ऐसा ही चलता रहा। एक दिन बेटा अपनी मां से बोला, मां मैं धन अर्जित करने के लिए विदेश जा रहा हूं। मां को बेटे की यह बात बहुत पसंद आई। बेटा अपनी पत्नी के पास गया और यही बोला कि वो धन कमाने के लिए परदेश जा रहा है। उसे कोई निशानी चाहिए। तब बहू बोली मेरे पास तो निशानी देने के लिए कुछ भी नहीं है। यह कहकर पत्नी ने पति के पैर पकड लिए। तब उसके हाथों में लगे गोबर से पति के जूतों पर हाथों के निशान बन गए। पुत्र के जाने के बाद सास ने बहू पर अत्याचार करने शुरू कर दिए।

एक दिन बहू दु:खी होकर मंदिर गई।देखा, बहुत सी स्त्रियां पूजा कर रही हैं। पूछने पर पता चला कि यह व्रत संतोषी माता का है। इससे सभी प्रकार के कष्टों का निवारण हो जाता है। स्त्रियों ने बहू को बताया कि शुक्रवार के दिन स्नान कर, शुद्ध जल से गुड, चना का प्रसाद लेना तथा सच्चे मन से मां का पूजन करो। लेकिन खटाई भूलकर भी मत खाना न ही किसी को देना। एक वक्त भोजन करना। इस तरह बहू प्रत्येकशुक्रवार को मां संतोषी का यह व्रत करने लगी। माता की कृपा से कुछ दिनों बाद पति का पत्र आया। कुछ दिनों बाद पैसा भी आ गया। एक रात मां संतोषी ने बहू के पति को स्वप्न दिया और कहा कि अपने घर क्यों नहीं जाते तब उसने कहा कि सेठ का सारा सामान अभी बिका नहीं, रूपया भी अभी नहीं आया।

सुबह होते ही सेठ का सारा सामान बिक गया और सेठ ने बहू के पति को घर जाने की इजाजत दे दी। घर पहुंचकर पति अपनी पत्नी से प्रेमपूर्वक मिला। पत्नी ने कहा मुझे संतोषी माता के व्रत का उद्यापन करना है। उसने सभी को इस कथा में आमंत्रित किया। लेकिन पडोस की एक महिला उससे जलती थी।

उसने अपने बच्चों को कहा कि तुम खाना-खाते समय खटाई के लिए मचल पडना। खाना खाते समय ऐसा ही हुआ। तो बहू ने बच्चों को पैसे दे दिए। बच्चों ने खटाई खा ली। संतोषी माता का कोप बहू पर बरस गया। इसके बाद सूचना मिली कि जितना धन बहू के पति ने कमाया है उसका टैक्स राजा को देना होगा। इन सभी परेशानियों से निजात पाने के लिए बहू ने फिर से संतोषी माता का व्रत किया। स्थितियां सामान्य हुईं और फिर से सुखद हो गईं।

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हृदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

हमारे जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नम: शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्ब) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

सही रोडमैप तैयार करें...

दिल में हजारों सपने और मन में जीत का जज्बा लिए युवा निकल पड़ते हैं अपने ड्रीम करियर की ओर। मगर कई बार सही रोडमैप तैयार न होने से उन्हें मंजिल तक पहुंचने में कठिनाई होती है। संबंधित कोर्स आदि करने के बाद भी कामयाबी मिलने वालों का प्रतिशत बहुत कम देखा गया है। अधिकतर युवा पढ़ाई के दौरान ही अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, मगर सही रोडमैप तैयार न होने के कारण वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाते और हताश हो जाते हैं। आइए जानते हैं ड्रीम करियर तक पहुंचने का क्या हो रास्ता।

खुद को परखें

सभी व्यक्ति एक जैसे नहीं होते। सबकी ताकत, कमजोरी, इच्छाएं, महत्वाकांक्षाएं और सपने सभी कुछ एक–दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। साथ ही हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है, जो उस व्यक्ति को अन्य लोगों से अलग बनाती है। सबसे पहले अपनी इस खूबी को पहचानिए। इससे खुद की पहचान में मदद मिलेगी और आपको अंदाजा हो जाएगा कि आप अपने बाकी साथियों के मुकाबले किस स्तर पर हैं? इसके बाद आप अपनी परफॉर्मेंस में सुधार के लिए सही तरीके अपना सकेंगे। अपनी ताकत के ईद-गिर्द ही अपना करियर बनाइए। इससे आप न सिर्फ अपने करियर में बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकेंगे, बल्कि आपका आंतरिक विकास भी होगा और आप हमेशा खुश रह सकेंगे।

व्यक्तित्व को पहचानें

ऐसा काम न चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के अनुरूप न हो। अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी नहीं है तो मार्केटिंग के क्षेत्र में आपका भविष्य बहुत सुनहरा नहीं होगा। हम जिस चीज से संतुष्ट होते हैं और जो काम करने में सहजता महसूस करते हैं, वही बेहतर रूप से कर सकते हैं। जिस काम को हम रुचि के साथ आनंद लेकर करते हैं, उस काम में सफलता मिलना आसान होता है, लेकिन जो काम हमें असहज या कठिन लगते हैं, जिन्हें करने से आत्मसंतुष्टि नहीं मिलती, उनमें सफलता मिलना बहुत मुश्किल होता है।

लक्ष्य तय करें

एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी द्वारा करवाए गए सर्वे में यह बात निकल कर सामने आई है कि किसी भी करियर के प्रति रुझान उम्र के साथ-साथ बदलता है। वही लोग अंत तक एक करियर से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे, जिन्होंने लक्ष्य तय किया हुआ था और उन्हें अपने करियर से प्यार था। पहली ही नौकरी का चयन अगर सही नहीं हुआ तो करियर में तरक्की की राहें मुश्किल हो सकती हैं। ऐसे में बार-बार नौकरी बदलने में आपका कीमती वक्त बर्बाद होगा। यह पहले से तय कर लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है या किन कंपनियों में काम करना चाहते हैं। अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने नई रिपोर्ट में आंकड़ों के आधार पर 20 सबसे अच्छी नौकरियों की एक सूची पेश की है। इनमें इंजीनियर और विश्लेषक की नौकरियों को सबसे ऊपर रखा गया है। आंकड़ों का परीक्षण ग्लासडोर ने किया है।

क्षमताएं बढ़ाएं

ग्लासडोर डॉट कॉम वेबसाइट द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक जिन 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्किल्स को बढ़ाने पर काम किया, उन्हें बेहतर पदोन्नति के साथ अच्छी सैलरी भी मिली। सर्वे में 74 प्रतिशत ने माना कि उन्हें खुद को आगे बढ़ाने के लिए स्किल्स सीखनी होंगी। 48 प्रतिशत कर्मचारियों के मुताबिक उनकी डिग्री उनके काम के साथ कहीं मेल नहीं खाती यानी इससे साफ हो गया कि शुरुआत में भले ही आप अपनी डिग्री की बदौलत कोई नौकरी पा लेते हैं, मगर उसमें टिके रहने व तरक्की पाने के लिए आपको अपनी मौजूदा क्षमताओं में इजाफा करना होगा। उन स्किल्स को पहचान कर सीखना होगा, जो आपके काम में सहायक हैं।

पाएं कार्यानुभव

किसी कंपनी में की गई इंटर्नशिप आपको आपके ड्रीम करियर तक पहुंचने में सहायक हो सकती है। इंटर्नशिप के दौरान आप क्लास रूम की थ्योरी क्लासेज से निकल कर जॉब मार्केट और पेशवर कार्यों की दुनिया से परिचित होते हैं। आपने जो शिक्षा हासिल की है, उसका वास्तविक प्रयोग कैसे करना है और आपकी शिक्षा आपके ड्रीम करियर में रास्ता बनाने में किस हद तक सहायक होगी, इसे इंटर्नशिप के दौरान परखा और जांचा जा सकता है।

रेज्यूमे हो दमदार

किसी भी कंपनी में अपना रेज्यूमे भेजने से पहले यह निश्चित कर लें कि इसमें कहीं कोई भाषाई अशुद्धि तो नहीं है, कोई योग्यता बढ़ा-चढ़ा कर तो नहीं लिखी गई है। इसके बाद ध्यान दें कि उसका डिजाइन, फॉन्ट साइज, आकर्षक हो, ताकि पढ़ते समय बोरियत न हो। जो भी कहना चाहते हैं, वह संक्षेप में प्रभावी ढंग से लिखा होना चाहिए।

रिसर्च करें

जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में जानकारियां एकत्र करें। उस क्षेत्र में काम कैसे होता है, काम करने की शैली कैसी है, वेतन कितना मिलता है, आने वाले समय में उस क्षेत्र में विकास की क्या संभावनाएं हैं, सरकार की नीति सेक्टर के लिए क्या है, क्षेत्र में काम करने के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

क्षमता और रुचि का रखें ध्यान...

12वीं के बाद करियर की दिशा को लेकर विद्यार्थियों के मन में कई सवाल होते हैं। मसलन-कौन-सी स्ट्रीम चुनें, प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिला लें या पारंपरिक डिग्री हासिल करें आदि। काउंसलर की मानें तो कैरियर की दिशा चुनते वक्त आपको दो बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए-क्षमता और रुचि। यदि आप इन बातों की तह तक पहुंच गए, तो आप अपने क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर सकते हैं। नजर डालते हैं बारहवीं के बाद के उन प्रमुख कैरियर विकल्पों पर, जिनमें से कोई एक क्षेत्र चुन कर आप मंजिल तक पहुंच सकते हैं, बशर्ते आपने क्षेत्र का चुनाव अपनी क्षमता और रुचि का आकलन करने के बाद किया हो।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकारके अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएआइ डॉट ओआरजी पर संपर्क करें।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों-फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ का क्षेत्र

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है. 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नई दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा। विशेष जानकारी के लिए आप वेबसाइट पर विजिट करें।

बैंकिंग का क्षेत्र

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नई नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षो में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है, परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें। बैंकों की रिक्तियों की अधिसूचना निरंतर अखबारों में निकलती रहती हैं।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया।10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिला सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता का क्षेत्र

एक समय था जब इस विषय को हिंदी या अंग्रेजी विभाग के साथ जोड़कर पढ़ाया जाता था, लेकिन हाल के वर्षो में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चकाचौंध ने युवाओं के एक बड़े वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय बैचलर्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन या बीए (जेएमसी) जैसा पाठ्यक्रम आपको मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने का अवसर दे सकता है, परंतु इस क्षेत्र में संघर्ष है, आपके स्थापित होने की समय सीमा भी निश्चित नहीं है। इस जोखिम को ध्यान में रखकर ही आप इस क्षेत्र में जाने की योजना बनायें। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपकी भाषा पर मजबूत पकड़ बेहद जरूरी है, चाहे बात प्रिंट मीडिया की हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की। वाणिज्य से पढाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों और अखबारों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदाई बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो नि:संकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि पाठ्यक्रम रेग्युलर हो,अन्यथा पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पाएगा, जो क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

मेडिकल

बायो के साथ 10+2 लेने वाले छात्रों का पहला कैरियर विकल्प मेडिकल होता है। एक बात समझना आवश्यक है। कई छात्र मेडिकल में कैरियर बनाने की चाह में चीन, रूस इत्यादि से मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं। ध्यान रहे, भारत में केवल वही मेडिकल डिग्री मान्य है, जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्य है। यदि आप देश से बाहर से कोई मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं, तो आपको पुन: मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट पास करना होगा, अन्यथा आपकी डिग्री अवैध हो जाएगी। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारतीय मेडिकल संस्थानों में दाखिले के लिए सीबीएससी द्वारा प्रत्येक वर्ष ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट का आयोजन किया जाता है, जिसके आधार पर सरकारी-पोषित व निजी मेडिकल संस्थानों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है।

डेंटिस्ट्री

बायो के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए डेंटिस्ट्री (दांतों का डॉक्टर) भी एक उत्तम कैरियर विकल्प है। चार वर्षीय बैचलर इन डेंटल सर्जरी करने के बाद यदि आप इसमें मास्टर्स कर लें तो फिर पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। मान्य संस्थानों की अद्यतन जानकारी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के वेबसाइट पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के अतिरिक्त सरकारी संस्थानों में बीडीएस में दाखिले के लिए भी सीबीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट को उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

बायोटेक्नोलॉजी

रिसर्च और तकनीक से यदि आपका लगाव हो, तो बायोटेक्नोलॉजी का क्षेत्र आपको एक स्थायी कैरियर विकल्प दे सकता है। फार्मा कंपनियों में निरंतर बायो तकनीक विशेषज्ञों के लिए रिक्तियां निकलती रहती हैं। इस विषय को लेकर दो प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं- तीन वर्षीय बीएससी इन बायोटेक्नोलॉजी और चार वर्षीय बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी। कैरियर के लिहाज से इनमें से किसी पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद एमबीए करना बेहतर होगा, ताकि आपको तकनीकी ज्ञान के साथ साथ प्रबंधन कौशल भी आ सके।

अल्टरनेटिव मेडिसिन

एमबीबीएस के अतिरिक्त होमियोपैथी, यूनानी, आयुर्वेद जैसे अन्य कैरियर विकल्प भी हैं, जो आपको एक डॉक्टर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। बैचलर इन आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी, बैचलर इन होमियोपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के अतिरिक्त नेचुरोपैथी, योग, फिजियोथेरपी जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनको आप अपनी रुचि के अनुसार चुन सकते हैं।

नर्सिंग का क्षेत्र

नर्सिंग का क्षेत्र उन चुनिंदा क्षेत्रों में है, जिन में कभी भी रोजगार के अवसर कम नहीं होंगे। इस क्षेत्र में कई पाठ्यक्रम हैं, जैसे एक वर्षीय ऑक्जिलियरी नर्सिंग मिडवाइफरी यानी एएनएम से लेकर चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग तक। मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची काउंसिल की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इंडियन नर्सिंग काउंसिल डॉट ओआरजी पर उपलब्ध हैं।

इंडियन आर्मी

देश के युवाओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपने रोजगार के साथ-साथ देश की सेवा भी करना चाहता है। तो आर्ट्स के छात्र के रूप में आपके लिए यहां भी इंडियन आर्मी के दरवाजे खुले हुए हैं। जब आप स्नातक के अंतिम वर्ष में हों, तो संयुक्त लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस यानी कंबाइंड डिफें स सर्विस में प्रवेश की योजना बनाएं।

प्रेग्नेंसी में कैसा भोजन खाना करना चाहिए?

आपको जरूरत है अपने आहार का ध्यान रखने की। क्या खाना है और क्या नहीं। क्या मैं नॉन-वेज खाऊं या नहीं। क्या मुझे पूरी तरह वेजिटेरियन रहना चाहिए। इसे लेकर कई महिलाएं दुविधा में रहती हैं। मांसाहारी भोजन में सब्जियों और फलों की तुलना में ज्यादा आयरन होता है। यदि आपको नॉन वेज खाने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह आपके और आपके गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए अच्छा होगा। यदि आपके शरीर में आयरन पहले से ही उचित मात्रा में मौजूद है तो आप नॉनवेज का इस्तेमाल 10 से 11 हफ्तों में भी कर सकती हैं।

नॉनवेज खाने में आपके लिए मछली का सेवन सबसे अच्छा रहेगा। मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और यह गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। हालांकि ओमेगा 3 फैटी एसिड के लिए आप भोजन में अलसी के बीजों का भी यूज कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए मछली के सेवन से बेहतर कुछ नहीं। गर्भावस्था के दौरान आपको आम दिनों की ही तरह ही हेल्दी खाना खाना चाहिए। महिलाएं अपनी और गर्भस्थ शिशु की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने से खुशी का अनुभव करती है। इसलिए नॉन वेज उन सभी जरूरतों को पूरा करता है जो आपको और आपके नन्हें मेहमान के लिए जरूरी हैं। इस दौरान आपकी दिनभर की दिनचर्या में ब्रेकफास्ट, पास्ता, चावल और रोटी सभी कुछ होना चाहिए। यदि आप नॉनवेज हैं तो आपको प्रोटीन युक्त फल और सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। आपको खाने से संबंधित सभी चीजें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित अंतराल पर लेनी चाहिए। एक बार में ज्यादा खाना आपको नुकसान दे सकता है। ऐसी कुछ नॉन वेज डिश जिन्हें आप प्रोटीन और आयरन के लिए यूज कर सकती है।

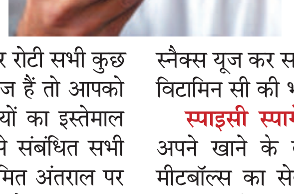

चिकन स्वीट कोर्न सूप: चिकन स्वीट कोर्न सूप प्रोटीन के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। इसे तैयार करने के लिए आपको 250 ग्राम बोन लैस चिकन, आधा कप स्वीट कोर्न क्रीम की जरूरत पड़ेगी।

स्टीम्ड लैमन फिश सैलड: स्टीम्ड लैमन फिश सैलड में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा के साथ ही आयरन और विटामिन सी होता है। यह गर्भावस्था के दौरान आपके और आपके यहां आने वाले नन्हें मेहमान के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे तैयार करने के लिए 300 ग्राम बिना हड्डी वाली मछली, 2 हरी मिर्च, नींबू का रस और धनिया पत्ती चाहिए।

फिश फिंगर: फिश फिंगर को आप अपनी दिनचर्या में स्नैक्स की तरह यूज कर सकती हैं। इसमें न केवल प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा है बल्कि विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन डी, ओमेगा 3 फैटी एसिड के साथ ही कैल्शियम भी है। इसे तैयार करने के लिए आपको 300 ग्राम बोन लैस फिश के पीस, धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर और फैट किया हुआ छोटे अंडे की जरूरत होगी।

चिकन टिक्का चाट: चिकन टिक्का चाट को भी आप फिश फिंगर की ही तरह बतौर स्नैक्स यूज कर सकती हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर और विटामिन सी की भरपूर मात्रा है।

स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स: इसका इस्तेमाल आप अपने खाने के दौरान कर सकती हैं। स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स का सेवन आपको प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन सी सब कुछ देगा। इसे तैयार करने केक लिए 150 ग्राम स्पागेटी, 300 ग्राम मटन, मशरूम, प्याज, अदरक, दूध, अंडा और मिर्ची पाउडर की जरूरत होगी।

चिकन पीस पुलाव: चिकन पीस पुलाव में विटामिन ए, सी और के साथ ही फोलेट भी उचित मात्रा में होता है। टेस्टी चिकन पीस पुलाव का सेवन आप अपने भोजन में करें।

रेसिपी

ब्रेड कोफ्ता करी

सामग्री

ब्रेड कोफ्ते के लिए: 6 ताजे ब्रेड के स्लाईस, 5 स्पून ताजा दही, 2 स्पून मैदा, 2 स्पून बेसन, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा **अन्य सामग्री:** 1 कप लौकी के टुकड़े, 3 स्पून तेल, 1/2 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, आधे कटे हुए, 1/2 कप कसा हुआ प्याज, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 स्पून ताजा दही, 3/4 कप ताजा टमाटर का पल्प, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, **सजाने के लिए:** 1 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

ब्रेड कोफ्ते के लिए: ब्रेड स्लाईस के कीनारे निकाल लें। ब्रेड स्लाईस को बाउल मे रखकर चुरा कर लें, दही, मैदा, बेसन, धनिया, हरी मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 20 बराबर भाग मे बांटकर प्रत्येक भाग के गोल आकार बना लें। कढ़ाई मे तेल गरम करें और एक बार मे थोड़े कोफ्ते डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज ने निकालकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में लौकी और 1 कप पानी मिलाकर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर लौकी के नरम होने तक या 8-10 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को पुरी तरह ढ़डा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में 2 टेबल-स्पून तेल गरम करें और आलू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या आलू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर एक तरफ रख दें। उसी कढ़ाई में, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज के पारदर्शी होने तक भून लें। हल्दी, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। ताजा दही और टमाटर का पल्प डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए पकाएं। लौकी का पेस्ट, 1/2 कप पानी, नमक, हरे मटर और भुने हुए आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिऐ पकाएं। परोसने के तुरंत पहले ब्रेड कोफ्ता डालें और हल्के हाथों से मिलाकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हान्डी खिचड़ी

सामग्री

3/4 कप चावल, 15 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लहसुन का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप छिले हुए आलू के टुकड़े, 1/4 कप हरे मटर, 1/2 कप फूलगोभी के फूल, 2 स्पून तेल, 2 इलायची, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, **परोसने के लिए:** छाछ, पापड़

विधि

धनिया, प्याज, धनिया-जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट और नमक को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। आलू, हरे मटर, फूलगोभी, तेल, चावल, इलायची और दालचीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को हान्डी में डालकर, 11/2 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढक्कन से ढक कर, धीमी आंच पर 25-30 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। छाछ और पापड़ के साथ तुरंत परोसें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

रद्द करो दलबदल कानून

आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) के सांसद दलबदल कर चुके हैं। 'आप' के 7 सांसद राज्यसभा के थे, लेकिन अभी लोकसभा के 3 सांसदों की बोली तय नहीं हुई है। तृणमूल और उद्धव शिवसेना के 26 लोकसभा सांसद तोड़े जा चुके हैं। यानी बिक चुके हैं। भाजपा के प्रवक्ता पार्टी को इतना मासूम और तटस्थ करार देने का ढोंग न करें, क्योंकि सांसद उसके अघोषित 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के मद्देनजर तोड़े जा रहे हैं। नहीं तो बागियों की बैठकों में भाजपाई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री क्या करते रहे हैं? हररोज, हर पल चाय-पानी ही चलता रहता है क्या? बहरहाल शिवसेना (उद्धव) के 'बिकाऊ सांसद' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलीन हो चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह अब उसे ही 'असली शिवसेना' मानते हैं। वह काफी हद तक उचित भी है, क्योंकि चुनाव आयोग ने उसे ही 'असली शिवसेना' की मान्यता दी है और चुनाव चिह्न भी उसे ही सौंप दिया गया है। चुनाव आयोग सक्षम, अधिकार प्राप्त संवैधानिक संस्था है। इसी तरह शरद पवार ने जिस एनसीपी की स्थापना की थी, अब वह उनके सगे भतीजे अजित पवार (अब दिवंगत) के कब्जे में है। उसे ही 'असली एनसीपी' की मान्यता प्राप्त है। चुनाव चिह्न भी उसे ही आवंटित किया जा चुका है। हालांकि ये दोनों मामले अभी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं। तृणमूल कांग्रेस के बागी तो बागी 60-65 विधायकों ने सामूहिक निर्णय लेकर ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से हटा दिया है और अरूप राय को नया अध्यक्ष चुन लिया है। कुछ उपाध्यक्ष और महासचिव भी तय किए गए हैं। कार्यकारिणी नई बनना भी तय लगता है। उसके बाद चुनाव आयोग की दहलीज पर दस्तक दी जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह का 'आशीर्वाद' है, तो आयोग उसे भी 'असली तृणमूल' घोषित कर देगा। गृहमंत्री का संकल्प है कि ममता की तृणमूल का 'सर्वनाश' किए बिना वह राहत की सांस महसूस नहीं करेंगे। तृणमूल के बागी 20 लोकसभा सांसद तो 'नेशनल सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया' सरीखी गुमनाम और बिन विधायक-सांसद की बौनी पार्टी में विलय कर चुके हैं। फिलहाल उनका प्रस्ताव स्पीकर ओम बिरला के विचाराधीन है। भाजपा तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर भी डोरे डाल रही है, क्योंकि लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। बेशक राज्य में उनकी सरकार पराजित हो चुकी है। अभी तो छोटे और 1-2 सांसद वाले दलों को 'खरीदना' शेष है। ये तमाम दलबदल भीतरी असंतोष और नेतृत्व के प्रति बगावत के ही निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि सांसद तोड़े जा रहे हैं। 52वां और 91वां संविधान संशोधन कर जो दलबदल विरोधी कानून बनाया गया था, उसमें एक-तिहाई अथवा दो-तिहाई सांसदों-विधायकों के पालाबदल की व्यवस्था रही है। अब यह कानून कागजी साबित हो रहा है, क्योंकि जन-प्रतिनिधि बेचे-खरीदे जा रहे हैं। तो फिर इस कानून की जरूरत क्या है? जैसा 1985 और 2003 से पहले था, वैसा ही रहने दीजिए। सांसदों-विधायकों को दलबदल करने की कानूनन छूट दे दी जाए। अरे, खुला बाजार सजा है, बोलियां लगने दीजिए। लोकतंत्र, संविधान, नैतिकता की परवाह क्यों की जाए? अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका सरीखे बड़े लोकतांत्रिक देशों में दलबदल निरोधक कानून नहीं है। फिर भी वहां इतना दलबदल नहीं होता, जिस व्यापक स्तर पर भारत में होता है। उनके लिए राजनीतिक, चुनावी अनुशासन बेहद मायने रखता है। इस संदर्भ में, एक देशवासी होने के नाते, हमारा सुझाव है कि दलबदल कानून को रद्द कर दिया जाए। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी यह सुझाव नहीं मानेंगे, क्योंकि उन्हें दलबदल कराने के लिए एक संवैधानिक व्यवस्था की आड़ चाहिए। वैसे भी देश में दलबदल की परंपरा पुरानी है और आजादी के पहले और उसके तुरंत बाद राजनीतिक दल टूट कर बिखरते और नए दल बनाए जाते रहे हैं। कांग्रेस टूटी, 1948 में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी टूट कर आचार्य कृपलानी ने 'किसान मजदूर प्रजा पार्टी' बनाई। और भी कई उदाहरण हैं। अब पहले से भी ज्यादा दलबदल होने लगा है।

> तृणमूल और उद्धव शिवसेना के 26 लोकसभा सांसद तोड़े जा चुके हैं। यानी बिक चुके हैं। भाजपा के प्रवक्ता पार्टी को इतना मासूम और तटस्थ करार देने का ढोंग न करें, क्योंकि सांसद उसके अघोषित 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के मद्देनजर तोड़े जा रहे हैं। नहीं तो बागियों की बैठकों में भाजपाई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री क्या करते रहे हैं? हररोज, हर पल चाय-पानी ही चलता रहता है क्या? बहरहाल शिवसेना (उद्धव) के 'बिकाऊ सांसद' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलीन हो चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह अब उसे ही 'असली शिवसेना' मानते हैं। वह काफी हद तक उचित भी है, क्योंकि चुनाव आयोग ने उसे ही 'असली शिवसेना' की मान्यता दी है और चुनाव चिह्न भी उसे ही सौंप दिया गया है। चुनाव आयोग सक्षम, अधिकार प्राप्त संवैधानिक संस्था है। इसी तरह शरद पवार ने जिस एनसीपी की स्थापना की थी, अब वह उनके सगे भतीजे अजित पवार (अब दिवंगत) के कब्जे में है। उसे ही 'असली एनसीपी' की मान्यता प्राप्त है। चुनाव चिह्न भी उसे ही आवंटित किया जा चुका है। हालांकि ये दोनों मामले अभी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं।

विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार देश में बड़ी संख्या में दैनिक यात्राएँ पूरी या आंशिक रूप से पैदल ही की

शहर किसके लिए: वाहन या नागरिक ?

> महानगरों से लेकर मध्यम और छोटे शहरों तक शहरीकरण की गति अभूतपूर्व है। आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों और बेहतर सुविधाओं की तलाश में लाखों लोग प्रतिवर्ष शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। किंतु इस तीव्र शहरी विस्तार के बीच एक बुनियादी प्रश्न अक्सर उपेक्षित रह जाता है—क्या हमारे शहर अपने नागरिकों के लिए चलने योग्य (Walkable) हैं? क्या सड़कें केवल वाहनों के लिए हैं या मनुष्यों के लिए भी? हाल ही में न्यायपालिका द्वारा सुरक्षित फुटपाथों पर चलने के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और गरिमा के अधिकार से जोड़ते हुए मौलिक अधिकार की संज्ञा दिए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ की गई हैं।

भारत के शहर तेजी से बढ़ रहे हैं। महानगरों से लेकर मध्यम और छोटे शहरों तक शहरीकरण की गति अभूतपूर्व है। आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों और बेहतर सुविधाओं की तलाश में लाखों लोग प्रतिवर्ष शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। किंतु इस तीव्र शहरी विस्तार के बीच एक बुनियादी प्रश्न अक्सर उपेक्षित रह जाता है—क्या हमारे शहर अपने नागरिकों के लिए चलने योग्य (Walkable) हैं? क्या सड़कें केवल वाहनों के लिए हैं या मनुष्यों के लिए भी? हाल ही में न्यायपालिका द्वारा सुरक्षित फुटपाथों पर चलने के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और गरिमा के अधिकार से जोड़ते हुए मौलिक अधिकार की संज्ञा दिए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ की गई हैं। यह एक स्वागत योग्य संवैधानिक प्रोत्साहन है, क्योंकि यह पहली बार शहरी अवसंरचना को केवल निर्माण और यातायात के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और मानव गरिमा के संदर्भ में देखने का प्रयास करता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल न्यायिक घोषणा या कानूनी मान्यता से भारतीय शहर वास्तव में पैदल यात्रियों के अनुकूल बन जाएंगे? इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है। वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब शहरी नियोजन की सोच वाहन-केंद्रित मॉडल से हटकर मानव-केंद्रित मॉडल की ओर अग्रसर होगी और समाज में पैदल चलने को सम्मानजनक एवं प्राथमिक परिवहन माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाएगा। भारत में पैदल चलना कोई सीमित गतिविधि नहीं है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार देश में बड़ी संख्या में दैनिक यात्राएँ पूरी या आंशिक रूप से पैदल ही की जाती हैं। गरीब, मजदूर, विद्यार्थी, महिलाएँ, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक सबसे अधिक पैदल यात्रा करते हैं। इसके बावजूद शहरी नियोजन में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता मिलती है। अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या इतने संकरे, टूटे हुए और अतिक्रमण से घिरे होते हैं कि उनका उपयोग करना कठिन हो जाता है। कई स्थानों पर फुटपाथ पार्किंग स्थल, दुकानों के विस्तार, ठेलों या निर्माण सामग्री के भंडारण में परिवर्तित हो जाते हैं। इस स्थिति का सबसे दुखद परिणाम सड़क दुर्घटनाओं में दिखाई देता है। भारत विश्व में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों के मामले में अग्रणी देशों में है। इन दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। सड़क पार करने, फुटपाथों की अनुपलब्धता और वाहनों की तेज गति के कारण हजारों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवाते हैं। यह केवल परिवहन का संकट नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और मानवाधिकार का भी प्रश्न है। संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इसकी व्याख्या का दायरा बढ़ाते हुए स्वच्छ पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसे अधिकारों को भी इसमें शामिल किया है। सुरक्षित पैदल मार्गों का

अधिकार इसी प्रगतिशील संवैधानिक दृष्टिकोण का विस्तार है। जब कोई नागरिक अपने घर से विद्यालय, कार्यालय, अस्पताल या बाजार तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुँच सकता, तब उसके जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार अधूरा रह जाता है। इसलिए फुटपाथ केवल सीमेंट और कंक्रीट की संरचना नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक हैं। फिर भी केवल अधिकार की घोषणा पर्याप्त नहीं है। भारत में अनेक अधिकारों को कानूनी मान्यता प्राप्त होने के बावजूद उनके क्रियान्वयन में गंभीर चुनौतियाँ बनी हुई हैं। शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और भोजन का अधिकार इसके उदाहरण हैं। इसी प्रकार फुटपाथ के अधिकार को भी व्यवहार में उतारने के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, वित्तीय निवेश और संस्थागत सुधार आवश्यक होंगे। भारतीय शहरी शासन की सबसे बड़ी समस्या इसका वाहन-केंद्रित दृष्टिकोण है। स्वतंत्रता के बाद विकास का जो मॉडल अपनाया गया, उसमें चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे को आधुनिकता का प्रतीक माना गया। शहरों की सफलता को वाहनों की गति और सड़क क्षमता के आधार पर मापा गया। परिणामस्वरूप पैदल यात्री, साइकिल चालक और सार्वजनिक परिवहन उपयोगकर्ता हाशिए पर चले गए। नगर नियोजन का उद्देश्य लोगों की सुविधा के बजाय वाहनों की निर्बाध आवाजाही बन गया। यह दृष्टिकोण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी विपरीत है। भारत में निजी कारों का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, जबकि अधिकांश नागरिक सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या पैदल यात्रा पर निर्भर हैं। इसके बावजूद सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा उन परियोजनाओं पर खर्च होता है जो मुख्यतः वाहन मालिकों को लाभ पहुँचाती हैं। इससे संसाधनों के वितरण में असमानता बढ़ती है और गरीब वर्गों की गतिशीलता प्रभावित होती है। फुटपाथों की स्थिति लैंगिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। महिलाएँ, विशेषकर कामकाजी महिलाएँ और छात्राएँ, सुरक्षित और प्रकाशयुक्त पैदल मार्गों पर अधिक निर्भर रहती हैं। खराब फुटपाथ, अपर्याप्त रोशनी और असुरक्षित सार्वजनिक स्थान उनके आवागमन को सीमित करते हैं। इसी प्रकार बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए बाधा-रहित फुटपाथ जीवन की आवश्यक शर्त हैं। यदि शहरी अवसंरचना इन समूहों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, तो शहर समावेशी नहीं कहे जा सकते। मानव-केंद्रित शहरी नियोजन का विचार इसी संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हो जाता है। इसका मूल सिद्धांत है कि शहरों को वाहनों के लिए नहीं, बल्कि लोगों के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। सड़कें केवल यातायात गलियारे नहीं, बल्कि सामाजिक और सार्वजनिक स्थान भी हैं। फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, हरित क्षेत्र, सार्वजनिक परिवहन और सार्वभौमिक पहुँच (Universal Accessibility) इस मॉडल के प्रमुख तत्व हैं। विश्व के अनेक शहरों ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। यूरोप और लैटिन अमेरिका के कई शहरों ने पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी, वायु प्रदूषण में नियंत्रण और नागरिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार हासिल किया है। इन अनुभवों से यह स्पष्ट होता है कि सुरक्षित और चलने योग्य शहर केवल यातायात प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि समग्र शहरी विकास की रणनीति हैं। भारत में भी कुछ सकारात्मक पहलें देखने को मिली हैं। कुछ शहरों ने 'कम्प्लीट स्ट्रीट्स' की अवधारणा को अपनाने का प्रयास किया है, जिसके अंतर्गत सड़कों को सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित बनाया जाता है। स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत भी कई स्थानों पर फुटपाथों के विकास और सार्वजनिक स्थलों के पुनरोद्धार के प्रयास हुए हैं। किंतु इन पहलों का प्रभाव अभी सीमित है और वे व्यापक संरचनात्मक परिवर्तन का रूप नहीं ले सकी हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला, शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय और प्रशासनिक क्षमता सीमित है। अधिकांश नगर निकाय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। दूसरा, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का अभाव है। सड़क निर्माण, यातायात प्रबंधन, जल निकासी, बिजली और दूरसंचार से जुड़ी एजेंसियाँ अलग-अलग कार्य करती हैं, जिसके कारण फुटपाथ बार-बार खोदे जाते हैं और उनकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। तीसरा, नागरिक सहभागिता का अभाव है। योजनाएँ अक्सर ऊपर से नीचे (Top-down) दृष्टिकोण से बनाई जाती हैं, जिनमें स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। फुटपाथों के अधिकार की सफलता के लिए केवल कानूनी उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। न्यायालय किसी अधिकार की घोषणा कर सकते हैं और सरकारों को निर्देश दे सकते हैं, लेकिन शहरों के चरित्र को बदलने के लिए सामाजिक और प्रशासनिक परिवर्तन आवश्यक है। यह परिवर्तन सबसे पहले नीति-निर्माण में दिखाई देना चाहिए। शहरी परिवहन नीतियों में पैदल यात्रियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक सड़क परियोजना में फुटपाथ, सुरक्षित क्रॉसिंग और दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। दूसरा, बजट आवंटन में परिवर्तन आवश्यक है।

देश दुनिया से

जड़ें और विस्थापन, आधुनिक विचारचर्या का द्वंद्व

मानव के जीवन का संघर्ष बाहर से होकर अंदर यानी मन के भीतर तक पहुंच चुका है। एक स्थान पर जीवनचर्या से बंधे रहकर जो असंख्य अनुभव होते हैं, वे तब अपनी प्रभावन क्षमता खो देते हैं, जब कुछ कम या अधिक दिनों के लिए अन्य स्थान पर जाना, ठहरना अथवा रहना होता है। एक रचनात्मक व्यक्ति को यह असंतुलन अच्छा नहीं लगता। इस स्थिति में वह या तो पूर्ण असंवेदनशील हो उठता है अथवा संवेदनशील होने के तुच्छ प्रदर्शन में व्यस्त होता है। इन दिनों ऐसी स्थितियां बहुत अधिक दिखाई देती हैं। ग्रीष्म पर्यटनावधि में ऐसा अधिक होता है। पहाड़ी क्षेत्रों से पलायन कर महानगरों एवं नगरों में बसे लोग जब गर्मियों की छुट्टियों में अपने पहाड़ी गांव लौटते हैं, तो अधिसंख्य ऐसे लोग इसी अनुभव से गुजरते हैं। यह अवस्था व्यक्ति में व्यक्ति के लिए एक वैचारिक, भावनात्मक, मानसिक तथा कायिक उथल-पुथल मचाए रखती है। व्यक्ति लाख चाहकर भी वैसे एकांत, स्वभाव, दिनचर्या तथा विचारचर्या के साथ नहीं जुड़ा रह पाता, जैसा वह अपने स्थायी निवास स्थान के एकांत, स्वभाव, दिनचर्या तथा विचारचर्या से जुड़ा होता है। यही परिस्थिति एकांतिक, स्वाभाविक, दैनचार्यिक तथा वैचारिक संघर्ष उत्पन्न करती है। इस संबंध में निष्कर्ष ये निकला है कि ऐसे वातावरण से सुरक्षित रहने के लिए मस्तिष्कीय शांति व संतुलन परमावश्यक है। भौगोलिक विस्थापन केवल भौतिक धरातल पर एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा नहीं है, बल्कि यह चेतना के स्तर पर एक गहरी उथल-पुथल की शुरुआत है। समकालीन युग में जब तीव्र गति से ग्रामीण अंचलों, विशेषकर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों से जनमानस का पलायन महानगरीय कोलाहल की ओर हुआ है, तब इस आंतरिक संघर्ष की तीव्रता कई गुना बढ़ गई है। मनुष्य आर्थिक समृद्धि और आधुनिक सुख-सुविधाओं की खोज में अपनी मूल माटी को छोड़कर कंक्रीट के जंगलों में जा तो बसता है, परंतु उसका अवचेतन मन सदैव अपनी जड़ों की गंध को सहेजकर रखता है। यह गंध ही उसे हर वर्ष ग्रीष्मकाल के आगमन पर

अपने पैतृक गांवों की ओर लौटने के लिए विवश करती है। किंतु, विडंबना यह है कि यह पुनरागमन उसे वह चिर-परिचित मानसिक संतोष नहीं दे पाता, जिसकी खोज में वह यात्रा पर निकलता है। इसके विपरीत, वह एक ऐसे छिन्न-भिन्न अस्तित्व का सामना करता है जो न तो पूरी तरह शहरी हो पाया है और न ही अपनी पुरातन ग्रामीण सादगी को सुरक्षित रख सका है। इस मानसिक द्वंद्व की जड़ें उस दैनिक चक्र में निहित हैं, जिसे हम जीवनचर्या कहते हैं। महानगर की एक निश्चित, यांत्रिक और समयबद्ध दिनचर्या होती है। वहां का एकांत भी कृत्रिम होता है, जो चार दीवारों के भीतर सिमटा रहता है। जब वही व्यक्ति कुछ सप्ताह के लिए अपने शांत पहाड़ी गांव में कदम रखता है, तो वहां का असीम प्राकृतिक एकांत और अनियत समय चक्र उसकी स्थापित मानसिक व्यवस्था को झकझोर देता है। वह पाता है कि पहाड़ों की नीरवता, जो कभी उसकी आत्मा का संगीत हुआ करती थी, अब उसके भीतर एक अजीब सी बेचैनी पैदा कर रही है। यह बेचैनी विचारचर्या के स्तर पर उत्पन्न होने वाले उस असंतुलन का परिणाम है, जहां व्यक्ति अपने वर्तमान महानगरीय विचारों को अपने अतीत के परिवेश के साथ सामंजस्य बिठाने में असमर्थ पाता है। वह इस अनपेक्षित बदलाव से बचने के लिए या तो पूरी तरह से उदासीन होकर स्वयं को एक बंद कमरे में कैद कर लेता है, या फिर सोशल मीडिया और आधुनिक उपकरणों के माध्यम से अपनी छद्म संवेदनशीलता का भौंडा प्रदर्शन करने लगता है, जो केवल उसके आंतरिक खालीपन को ही उजागर करता है। यह उथल-पुथल केवल मानसिक धरातल तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसका प्रभाव मनुष्य की काया अर्थात उसके भौतिक शरीर पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। पहाड़ों की शुद्ध वायु, शीतल जल और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, जो कभी उसके स्वास्थ्य का आधार थीं, अब उसके शहरीकृत शरीर के लिए एक चुनौती बन जाती हैं। खानपान का बदलाव और महानगरीय सुख-सुविधाओं की अनुपलब्धता उसके भीतर एक कायिक असंतुलन पैदा करती है। शरीर का यह तनाव सीधे तौर पर उसके भावनात्मक व्यवहार को प्रभावित करता है। वह अपने ही सगे-संबंधियों और ग्रामीणों के बीच स्वयं को एक अजनबी, एक बाहरी व्यक्ति के रूप में महसूस करने लगता है। ग्रामीण समाज की सहज अपेक्षाएं और इस लौटे हुए व्यक्ति की महानगरीय औपचारिकता के बीच एक अदृश्य दीवार खड़ी हो जाती है। यह परिस्थिति अंततः एक ऐसे त्रिआयामी संघर्ष को जन्म देती है, जिसमें व्यक्ति का स्वभाव, उसकी दिनचर्या और उसकी वैचारिक दिशा तीनों एक साथ बिखरने लगते हैं। विचारणीय पहलू यह भी है कि इस बिखराव का प्रभाव केवल उस व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं रहता, जो इस यात्रा पर है। यह उसके परिवेश, उसके परिवार और उस संपूर्ण समाज को प्रभावित करता है जिसे वह पीछे छोड़ आया था और जिसके पास वह पुनः लौटकर आया है। पहाड़ी क्षेत्रों की सामाजिक संरचना अत्यंत घनिष्ठ और पारस्परिक निर्भरता पर आधारित होती है। वहां प्रत्येक व्यक्ति का सुख-दुख पूरे समुदाय का साझा विषय होता है। इसके विपरीत, महानगरीय संस्कृति व्यक्तिवाद और निजता की कट्टर समर्थक है।

आप का नज़रिया

पुलिस ट्रांसफर से कहीं आगे

कांगड़ा राजस्व जिला के तमाम पुलिस जिलों में एसपी बदल कर हिमाचल सरकार पुनः हवन कुंड को हवा दे रही है। इसके अलावा बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक भी ट्रांसफर के सफर पर भेज दिए गए हैं। यह सरकार की नीति और नीयत पर निर्भर करता है कि कब किस अधिकारी के पंख खोले या समेट दे, लेकिन कांगड़ा के संदर्भ में ये ट्रांसफर आर्डर एक व्यापक संदेश दे रहे हैं। खास तौर पर कांगड़ा के मुख्यालय की तैनाती पर अशोक रत्न को बदल कर जिस तरह मुख्यालय में बैठाया है, यह कोई पारितोषिक नहीं। उनके स्थान पर हिमाचल कैडर के एचपीएस अधिकारी कुलभूषण वर्मा आ रहे हैं। बिलासपुर में रहे एसपी संदीप धवल अब देहरा के पथ पर हैं, जबकि शिमला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक आइंदा बिलासपुर के पुलिस बंदोबस्त का नए सिरे से अभिषेक करेंगे। इल्मा अफरोज को कांगड़ा के सीमांत क्षेत्र की तैनाती देकर सरकार ने बहुत कुछ रेखांकित किया है। इसके अलावा भी कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अपने दायित्व की नई कमान थाम रहे हैं। चुनाव के ठीक डेढ़ वर्ष पूर्व सत्ता को अपनी छवि, जनता को अपनी मिलकीयत और विभाग को अपनी पृष्ठभूमि सजाने का अवसर मिल रहा है। पुलिस व्यवस्था के अपने प्रयोग और इस लिहाज से सुक्खू सरकार ने कानून व्यवस्था के नए तराजू पर फेरबदल शुरू किए हैं। ट्रांसफरों का वर्तमान सिलसिला अपेक्षित तो है ही, साथ में गुणात्मक परिवर्तन की उम्मीद भी रखता है। प्रदेश की पुलिस व्यवस्था के लाजिमी पहर, इस समय पर्यटक सीजन के बिखरने की खबर दे रहे हैं। ट्रैफिक जाम के सिलसिले अगर सरकार की मौजूदगी में महसूस हों, तो बदलाव अपरिहार्य है। अटल टनल, मनाली, मकलोडगंज, शिमला, डलहौजी, कसौली, नेरचौक, कुल्लू, बैजनाथ, जोगिंद्रनगर, पालमपुर, मटौर चौक व तमाम धार्मिक स्थलों जैसे अनेक स्थल हैं जहां ट्रैफिक नियंत्रण के लिए केवल एसपी नहीं, जमीन पर सिपाही चाहिए। बहुत सारे कांस्टेबल ऑन ड्यूटी चाहिए वरना सैलानियों के कटु अनुभव हिमाचल की छवि बिगाड़ रहे हैं। रोजाना सोशल मीडिया हिमाचल बनाम कई राज्य हो रहे हैं, तो यह गलत पैरवी है। प्रदेश की शांति अगर गलत पार्किंग, परिवहन संचालन और बिगड़े बोल से हो रही है, तो इसकी प्रतिक्रिया में हम पंजाब सीमा पर अवैध वसूली तथा हो-हल्ले में देख सकते हैं। हम बार-बार कहते आए हैं कि अब हिमाचल में पुलिस व्यवस्था एक ही यूनिफार्म के तहत सारा जिम्मा नहीं संभाल सकती। अपराध अब मानवीय प्रगति और सूचना प्रौद्योगिकी ज्ञान के साथ इतना बदल गया है कि इसके अपने संसाधन व तरीके हैं। हमें अलग से पर्यटक पुलिस का बंदोबस्त हर पर्यटन डेस्टिनेशन पर करना होगा, जबकि ट्रैफिक पुलिस की वर्दी हर चौक-चौराहे से सडक़ पर रात-दिन पेट्रोलिंग तक होनी चाहिए। इतना ही नहीं, कुछ महत्त्वपूर्ण नगर निगम क्षेत्रों या जिला मुख्यालयों में पुलिस आयुक्तालयों की स्थापना करते हुए शहरी एवं ग्रामीण पुलिस के तहत कार्य वितरण होना चाहिए। कांगड़ा में तीन पुलिस जिला बनाना नाकाफी साबित हो रहा है तो इसलिए कि एक और पालमपुर में पुलिस जिला बनाने के अलावा, धर्मशाला में पुलिस कमीश्नरेट बैठाना चाहिए। इसके अलावा फोरलेन मार्गों पर अगले दस सालों में यातायात वृद्धि दर को देखते हुए हाईवे पुलिस के आधार पर व्यापक व्यवस्था करनी होगी। शिमला में पुलिस मुख्यालय तो हो सकता है, लेकिन पुलिस की हर जिम्मेदारी का वितरण शिमला से नहीं हो सकता, अतः पुलिस मुख्यालय से जुड़े कई विंग या शाखाएं अब कहीं अन्यत्र शिफ्ट करनी पड़ेंगी। औद्योगिक अशांति की दृष्टि से बीबीएन में सीमांत क्षेत्रों की निगरानी का मुख्यालय, तो हमीरपुर की केंद्रीय स्थिति में ट्रैफिक नियंत्रण मुख्यालय स्थापित किया जा सकता है। इसी तरह अनुसंधान, अध्ययन व ट्रेनिंग से जुड़े दायित्व का मुख्यालय डरोह में स्थापित कर देना चाहिए।

> बिलासपुर में रहे एसपी संदीप धवल अब देहरा के पथ पर हैं, जबकि शिमला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक आइंदा बिलासपुर के पुलिस बंदोबस्त का नए सिरे से अभिषेक करेंगे। इल्मा अफरोज को कांगड़ा के सीमांत क्षेत्र की तैनाती देकर सरकार ने बहुत कुछ रेखांकित किया है। इसके अलावा भी कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अपने दायित्व की नई कमान थाम रहे हैं। चुनाव के ठीक डेढ़ वर्ष पूर्व सत्ता को अपनी छवि, जनता को अपनी मिलकीयत और विभाग को अपनी पृष्ठभूमि सजाने का अवसर मिल रहा है। पुलिस व्यवस्था के अपने प्रयोग और इस लिहाज से सुक्खू सरकार ने कानून व्यवस्था के नए तराजू पर फेरबदल शुरू किए हैं। ट्रांसफरों का वर्तमान सिलसिला अपेक्षित तो है ही, साथ में गुणात्मक परिवर्तन की उम्मीद भी रखता है। प्रदेश की पुलिस व्यवस्था के लाजिमी पहर, इस समय पर्यटक सीजन के बिखरने की खबर दे रहे हैं। ट्रैफिक जाम के सिलसिले अगर सरकार की मौजूदगी में महसूस हों, तो बदलाव अपरिहार्य है। अटल टनल, मनाली, मकलोडगंज, शिमला, डलहौजी, कसौली, नेरचौक, कुल्लू, बैजनाथ, जोगिंद्रनगर, पालमपुर, मटौर चौक व तमाम धार्मिक स्थलों जैसे अनेक स्थल हैं जहां ट्रैफिक नियंत्रण के लिए केवल एसपी नहीं, जमीन पर सिपाही चाहिए।

कुछ अलग

फालोअर के मारे आभासी संत बेचारे

बड़े दिनों बाद कल मैं उनके लाइव दर्शन करने गया। फेसबुक पर तो उनके दर्शन किसी न किसी पोस्ट को लेकर दिन में दस दस बार होते ही रहते हैं। उस वक्त वे सिर में हाथ दिए मौन बैठे थे तो मुझे उनकी चिंता हुई। कहीं आभासी जगत में विचरण करते करते अस्वस्थ तो नहीं हो गए होंगे? सो उनसे हमदर्दी जताते पूछ बैठा, 'मित्र! क्या हो गया? आभासी दुनिया में भजन करते करते सिर में दर्द हो रहा है क्या? सिर दर्द की गोली दूं?' 'नहीं। मेरे सिर दर्द नहीं हो रहा', उन्होंने कहा और वैसे ही सिर में हाथ दिए रहे तो मैंने फिर उनकी सहायता करने के गैर इरादतन इरादे से पुनः पूछा, 'तो पेट में दर्द हो रहा होगा?' लेकिन अबके भी मेरे पूछने पर वे पहले की तरह ही बोले, 'नहीं', लेकिन मुझे उनकी हरकतों से लगा कि उनको कहीं न कहीं, कोई न कोई दर्द है तो जरूर, पर जैसे वे मुझसे अपना दर्द कहीं छुपा रहे हों। फिर मैंने उनके माथे पर हाथ रख यह जानने की कोशिश की कि कहीं बंधु को बुखार तो नहीं हो रहा होगा! जैसे ही मैंने अपने माथे पर उनकी बॉडी का टेंपरेचर जानने की कोशिश की तो उनका टेंपरेचर बढ़ गया, 'ये क्या कर रहे हो?' 'तुम्हारा टेंपरेचर चेक कर रहा हूं। तुम तो कुछ बोल नहीं रहे हो। पर मुझे पक्का लग रहा है कि तुम्हें कुछ न कुछ जरूर हुआ है।' 'करूंगा क्या! तुम्हारी सहायता करूंगा, और क्या करूंगा! मुझसे एक बार अपना दर्द कहो तो सही। माना, तुम मेरे जीव जगत के नहीं हो। फिर भी मेरे दोस्त तो हो। दुनियाएं बदल जाने से दोस्ती नहीं बदला करती दोस्त!' मैंने इतना भर झूठी हमदर्दी से कहा कि वे मेरे कंधे पर अपना सिर रख फूट फूट कर वैसे ही रोने लगे जैसे प्रेम के दिनों में मुझसे अच्छा मिलते ही उससे अपनी अपनी विवाह तय कर मेरी प्रेमिकाएं प्रेम का ढोंग करती मेरे कंधे पर अपना सिर कर फूट फूट कर रोने के बाद वहां विवाह कर लेती थीं।

दृष्टि कोण

जनगणना के आंकड़ों में छिपा भारत का भविष्य

वर्ष 2027 में देशभर में जनगणना का कार्य आरंभ होने जा रहा है। सामान्यतः जनगणना को देश में रहने वाले लोगों की संख्या गिनने की प्रक्रिया माना जाता है, लेकिन वास्तव में यह केवल लोगों की गिनती भर नहीं है। जनगणना किसी भी देश के विकास की दिशा और दशा निर्धारित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक है। सरकारों द्वारा बनाई जाने वाली अधिकांश योजनाएं, बजट का वितरण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, रोजगार सृजन, सडक़, बिजली और पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं का विकास जनगणना से प्राप्त आंकड़ों पर ही आधारित होता है। यही कारण है कि जनगणना को लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। जनगणना के आंकड़ों का अध्ययन जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) के अंतर्गत किया जाता है। जनसांख्यिकी जनसंख्या का वैज्ञानिक अध्ययन है, जिसमें जनसंख्या के आकार, संरचना, वितरण और समय के साथ होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण किया जाता है। इसमें जन्म दर, मृत्यु दर, जीवन प्रत्याशा, लिंगानुपात, प्रजनन दर, शिक्षा स्तर, आय, वैवाहिक स्थिति तथा प्रवासन जैसे अनेक पहलुओं का व्यवस्थित अध्ययन किया जाता है। यही आंकड़े सरकार को यह समझने में सहायता करते हैं कि देश की वास्तविक आवश्यकताएं क्या हैं और किन क्षेत्रों में अधिक निवेश एवं योजनाओं की आवश्यकता है। भारत में जनगणना का इतिहास लगभग 150 वर्ष पुराना है। देश में पहली अस्थायी जनगणना वर्ष 1872 में तत्कालीन वायसराय लार्ड मेयो के समय आयोजित की गई थी। इसके बाद 1881 में लार्ड रिपन के कार्यकाल में पहली नियमित एवं समकालिक जनगणना करवाई गई। तब से लेकर आज तक लगभग प्रत्येक दस वर्ष के अंतराल पर जनगणना का कार्य किया जाता रहा है। भारतीय जनसांख्यिकी के इतिहास में वर्ष 1921 को 'महान विभाजक वर्ष' के रूप में जाना जाता है। इसका कारण यह है कि 1921 की जनगणना में पहली और एकमात्र बार भारत की जनसंख्या में गिरावट दर्ज की गई थी। इसके पश्चात देश की जनसंख्या निरंतर बढ़ती रही और जनसंख्या वृद्धि का एक नया दौर प्रारंभ हुआ। हालांकि यह

वृद्धि केवल जनसंख्या संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन प्रत्याशा, लिंगानुपात तथा प्रजनन दर जैसे अनेक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतकों में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। भारत में जाति आधारित जनगणना का इतिहास काफी पुराना है। वर्ष 1931 ब्रिटिश शासनकाल की अंतिम प्रकाशित जातिगत जनगणना थी, जिसके आंकड़ों का उपयोग बाद में मंडल आयोग ने ओबीसी आबादी का अनुमान लगाने के लिए किया। वर्ष 2011 में सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना करवाई गई, लेकिन उसके सभी आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। अब लगभग एक शताब्दी बाद वर्ष 2027 की जनगणना में पुनः जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं कल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी और लक्षित बनाने की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना आयोजित नहीं हो सकी थी, जिससे वर्ष 2027 की जनगणना का महत्व और बढ़ गया है। यह भारत की 16वीं तथा स्वतंत्र भारत की आठवीं जनगणना होगी। इसे दो चरणों में संपन्न किया जाएगा जिसके पहले चरण में आवास संबंधी तथा दूसरे चरण में जनसंख्या संबंधी जानकारी एकत्र की जाएगी। इस जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजिटल स्वरूप है। पहली बार गणनाकार मोबाइल एप के माध्यम से आंकड़े दर्ज करेंगे तथा नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा भी मिलेगी, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनेगी। हालांकि इस डिजिटल व्यवस्था के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं।

हाकी इंडिया ने ब्रिटेन दौरे के लिए की 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने 5 से 14 जुलाई तक होने वाले ब्रिटेन दौरे के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम की घोषणा कर दी है। नए मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम स्काटलैंड और इंग्लैंड में कुल सात मुकाबले खेलेगी। यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, विशेषकर जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

टीम की कप्तानी खैदेम शिलेइमा चानू को सौंपी गई है। गोलकीपर के रूप में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज को टीम में शामिल किया गया है।

दौरे की शुरुआत एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में स्काटलैंड की सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम लिलेशाल राष्ट्रीय खेल केंद्र में अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ मैच खेलेगी। मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट ने टीम चयन और दौरे के महत्व पर कहा, ब्रिटेन दौरा हमारी जूनियर टीम के विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने कई ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें विदेशी टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव नहीं है। ऐसे में यह दौरा खिलाड़ियों और पूरी टीम दोनों के लिए सीखने का बेहतरीन अवसर होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। पिछले दस सप्ताह से जिस खेल शैली पर हमने काम किया है, उसे मैदान पर लागू करने का प्रयास करेंगे। मुझे विश्वास है कि यह दौरा जूनियर एशिया कप की तैयारी के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और इससे हमें अपनी ताकत तथा सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों का बेहतर आकलन करने का अवसर मिलेगा।

भारतीय जूनियर महिला टीम

गोलकीपर: निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज।

डिफेंडर्स : पूजा साहू, सुप्रिया, मधु, एफ. लालबी अक्सियामी, लालनेहपुई, पार्वती टोपनो।

मिडफील्डर: खैदेम शिलेइमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, सुप्रिया कुजूर, पूजा मलिक, बिनिमा धन, गीता यादव, रोशनी आइंद, तनुश्री दिनेश कडू।

फारवर्ड: सुखवीर कौर, शशि खासा, लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, काजल, सानिका चंद्रकांत माने, कृष्णा शर्मा।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप : वंशिका और शिवा ने जीता रजत, भारत शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत की वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाल दिया। भारतीय जोड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान संयमित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंततः रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने प्रतियोगिता में एक और महत्वपूर्ण पदक जोड़ लिया। इस पदक के बाद आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारत की कुल पदक संख्या 16 हो गई है। भारतीय दल के खाते में अब 5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय निशानेबाजों की निरंतर सफलता ने एक बार फिर विश्व मंच पर देश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा निशानेबाजों का यह प्रदर्शन भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है और भारतीय निशानेबाजी की मजबूत प्रतिभा को दर्शाता है ।

फीफा विश्व कप 2026 : घाना की मजबूत रक्षा के आगे बेबस हुआ इंग्लैंड, खेला गोलरहित ड्रा

मैसाचुसेट्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एल मुकाबले में घाना ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 0–0 की बराबरी पर रोक दिया। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ियों के कई प्रयास घाना की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति के सामने नाकाम रहे। हैरी केन और जूड बेलिंगहम की अगुवाई में इंग्लैंड ने पूरे मैच में आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन घाना के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल दिखाते हुए कोई मौका नहीं दिया। इस ड्रा के साथ घाना के दो मैचों में चार अंक हो गए हैं और वह केवल बेहतर गोल अंतर के आधार पर इंग्लैंड से पीछे है। इंग्लैंड को मैच जीतने का सबसे बड़ा अवसर निर्धारित समय के अंतिम क्षणों में मिला। स्थानापन्न खिलाड़ी निको ओराइली ने दाएं छोर से आए क्रास पर शानदार हेडर लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकराकर वापस आ गई। इसके बाद मिले मौके पर हैरी केन भी गेंद को गोल में नहीं पहुंचा सके और उनका शाट बार के ऊपर चला गया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड के मुख्य प्रशिक्षक थामस टुखेल ने आक्रामकता बढ़ाने के लिए मार्गन रोजर्स और एबेरेची एज़े को मैदान पर उतारा, लेकिन इससे भी टीम के खेल में कोई खास बदलाव नहीं आया।

फीफा विश्व कप 2026 : पुर्तगाल ने उज़्बेकिस्तान को 5-0 से रौंदा रोनाल्डो ने दागे दो गोल

ह्यूस्टन। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो गोल दागकर अपनी टीम को फीफा विश्व कप 2026 में

उज़्बेकिस्तान पर 5–0 की एकतरफा जीत दिलाई। इस शानदार जीत के साथ पुर्तगाल नाकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने मुकाबले के छठे मिनट में गोल कर इतिहास रच दिया। वह विश्व फुटबाल के पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने छह अलग–अलग विश्व कप अभियानों में गोल करने का कारनामा किया है। उनका यह सफर 2006 विश्व कप से शुरू हुआ था। रोनाल्डो ने गोल करने के बाद अपना प्रसिद्ध सियू उत्सव मनाया और स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों का अभिवादन किया। इसके बाद नूनो मेंडेस ने 17वें मिनट में फ्री किक पर गोल कर पुर्तगाल की बढ़त 2–0 कर दी। रोनाल्डो ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर टीम को 3–0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ उनके विश्व कप में कुल 10 गोल हो गए, जो किसी भी पुर्तगाली खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक गोल हैं। उज़्बेकिस्तान की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती नजर आई। इटली के पूर्व विश्व कप विजेता फाबियो कानावारो के मार्गदर्शन में खेल रही टीम पुर्तगाल के आक्रामक खेल का मुकाबला नहीं कर सकी। पहले हाफ में ही पुर्तगाल को चौथा गोल मिला, जब एक कार्नर के दौरान गेंद उज़्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुवोखिद नेमातोव से टकराकर गोल में चली गई ।

स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं नेमार, लेकिन खेलना तय नहीं : कोच अंचेलोटी

मियामी

ब्राज़ील के मुख्य कोच कार्लो अंचेलोटी ने मंगलवार को पुष्टि की है कि स्टार फुटबालर नेमार स्काटलैंड के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–सी मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। 34 वर्षीय नेमार को लगभग तीन वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। हालांकि पिंडली की चोट के कारण वह अभी तक इस विश्व कप में मैदान पर नहीं उतर सके हैं। मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अंचेलोटी ने कहा, नेमार उपलब्ध हैं। उन्होंने इस सप्ताह अच्छी तरह अभ्यास किया है और मैच के लिए तैयार हैं। उनकी वापसी से हम बेहद खुश हैं, क्योंकि उनकी गुणवत्ता टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, मैंने उन्हें करीब से जाना है। उन्होंने चोट से जल्द उबरने के लिए बेहद गंभीरता से मेहनत की है। यदि वह मैदान पर नहीं भी उतरते हैं, तब भी उनका अनुभव और खेल की समझ युवा खिलाड़ियों की मदद करती है। नेमार के खेलने की संभावित अवधि के बारे में पूछे जाने पर अंचेलोटी ने मजाकिया अंदाज में कहा, वह 90 मिनट खेल सकते हैं, लेकिन चलते हुए। वह पूरी तरह फिट हैं और उन्होंने शानदार अभ्यास किया है। ब्राज़ील ने अपने पहले दो मुकाबलों में मोरक्को से 1–1 की बराबरी की थी और हैती को 3–0 से हराया था। स्काटलैंड के खिलाफ जीत मिलने पर टीम अंतिम 32 में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी। अंचेलोटी ने कहा, पहला मैच हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, दूसरा उससे बेहतर रहा। हमें विश्वास है कि तीसरा मुकाबला अब तक का सबसे अच्छा होगा। ब्राज़ील को इस मैच में राफिन्हा की कमी भी खलेगी, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं। हालांकि अंचेलोटी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि उनकी जगह शुरुआती एकादश में कौन खेलेगा। स्काटलैंड के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, स्काटलैंड एक मजबूत और अनुशासित टीम है। उनके पास अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे संघर्ष करना जानते हैं। विश्व कप में अब कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता, इसलिए हम एक कठिन चुनौती के लिए तैयार हैं। ब्राज़ील की टीम न्यू जर्सी से मियामी पहुंचने में देरी का सामना कर रही थी, जिसके कारण अंचेलोटी का संवाददाता सम्मेलन भी देर से हुआ।

पांड्या के मुम्बई छोड़कर केकेआर या रायल्स जाने की संभावना

मुम्बई । आलराउंडर हार्दिक पांड्या अब इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में मुमबई इंडियंस में नजर नहीं आयेंगे। हार्दिक के अगले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) या राजस्थान रायल्स से खेलने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर और रायल्स ट्रेड डील के जरिये पांड्या को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। मुम्बई को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो टीमों से प्रस्ताव मिले हैं। माना जा रहा है कि केकेआर प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला–बदली को को लेकर कई दौर की बातचीत भी हुई है। आईपीएल के 19 वें सत्र में पांड्या का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिस कारण मुम्बई भी अब उन्हें टीम में बनाये नहीं रखना चाहती। वहीं पिछले दो सत्र से खराब प्रदर्शन से परेशान केकेआर हार्दिक को अपनी टीम में लाने को लेकर सभी प्रयास कर रही है। वह उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी देना चाहती है।, इसका कारण है कि अभी टीम उपकप्तान रिंकू सिंह को कप्तानी के लिए सही नहीं मानती। अभी टीम की कप्तानी अजिंक्य रहाणे के पास है पर उनके रहते टीम का प्रदर्शन अच्छ नहीं रहा है। केकेआर रहाणे को टीम से रिलीज करना चाहती है। केकेआर के अधिकारियों ने पिछले सत्र में भी मुम्बई से संपर्क किया था, पर उस समय रिलायंस की वार्षिक आम बैठक के कारण फ्रैंचाइजी बात नहीं कर पायी थी। वहीं दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस को राजस्थान रायल्स से भी एक प्रस्ताव मिला है, जिसमें पांड्या और यशस्वी जायसवाल के बीच ट्रेड–आफ की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत कहां तक पहुंची है। गौरतलब है कि राजस्थान रायल्स रियान पराग को कप्तानी देना चाहते हैं। ऐसे में हार्दिक के लिए वहां रायल्स में कप्तानी हासिल करना कठिन होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : मुन्योज़ के गोल से कोलंबिया नाकआउट चरण में, डीआर कांगो को 1-0 से हराया

न्यूयार्क/न्यू जर्सी

डेनियल मुन्योज़ के दूसरे हाफ में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–के मुकाबले में बुधवार को डीआर कांगो को 1–0 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। लगातार दूसरी जीत के साथ कोलंबिया ने छह अंक जुटा लिए और एक मैच शेष रहते नाकआउट चरण का टिकट हासिल कर लिया।

मुकाबले में कोलंबिया ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके भी बनाए, लेकिन डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेम्स रोड्रिगेज, लुइस डियाज और जान एरियास के प्रयासों को विफल कर दिया।

पहले हाफ में कोलंबिया को बढ़त नहीं मिल सकी और डीआर कांगो की रक्षापंक्ति लगातार दबाव झेलते हुए भी गोल बचाने में सफल रही।

आखिरकार 76वें मिनट में कोलंबिया को सफलता मिली। हुआन क्विंटेरो के सटीक पास पर डेनियल मुन्योज़ दाएं छोर से तेजी से पेनाल्टी क्षेत्र में पहुंचे और उनका निचला शाट एक रक्षक से हल्का सा टकराकर गोल में चला गया। यही गोल मुकाबले का फैसला साबित हुआ।

डीआर कांगो ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन कोलंबियाई रक्षा पंक्ति ने उन्हें कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ कोलंबिया छह अंकों के साथ नाकआउट चरण में पहुंच गया है। अब उसका अंतिम ग्रुप मुकाबला पुर्तगाल से होगा। दूसरी ओर डीआर कांगो के खाते में दो मैचों के बाद केवल एक अंक है और उसे अपनी उम्मीदें जीवित रखने के लिए अंतिम मुकाबले में उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी।

कोलंबिया ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया, जबकि डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी की शानदार बचावों के कारण मुकाबला लंबे समय तक गोलरहित बना रहा। हालांकि अंत में मुन्योज़ के गोल ने दक्षिण अमेरिकी टीम को बहुमूल्य जीत दिला दी।

सूर्यांश ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया

मुम्बई। पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किये गये 23 साल के आलराउंडर सूर्यांश शेडगे की खुशी का ठिकाना नहीं है। सूर्यांश को आलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के कारण आयरलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। सूर्यांश को पिछले दो साल में घरेलू क्रिकेट, आईपीएल और भारत ए टीम की ओर से लगातार किये अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है।सूर्यांश के अनुसार उन्हें अभी भी भरोसा नहीं हो रहा कि वह टीम में शामिल कर लिए गये हैं। इससे उनका बचपन का सपना भी पूरा हो गया है। इस आलराउंडर ने अपनी । सफलता का पूरा श्रेय अपने माता–पिता को दिया है। साथ ही कहा कि उनके बिना कभी ये संभव नहीं होता। सूर्यांश के क्रिकेटर बनने में मां का विशेष योगदान रहा है। उनकी मां एक बैंक में काम करती थीं पर उन्होंने अपने बेटे के क्रिकेट करियर को देखते हुए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। उन्होंने अपना पूरा समय सूर्यांश के अभ्यास, मैचों और क्रिकेट से जुड़ी हर छोटी–बड़ी जरूरत पर लगाया जिससे कि सूर्यांश खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। इसी का परिणाम है कि आज सूर्यांश भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसके पूर्व क्रिकेटर जतिन परांजपे, मनीष बांगेरा और मोंटी देसाई जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी इस क्रिकेटर की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला टी20 विश्व कप : आस्ट्रेलिया की लगातार चौथी जीत, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

लीड्स

एलिस पेरी की शानदार अर्धशतकीय पारी और घातक गेंदबाजी के दम पर आस्ट्रेलिया ने मंगलवार देर रात महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है, जबकि पाकिस्तान को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गई।

आस्ट्रेलिया की शुरुआत झटके के साथ हुई जब बेथ मूनी बिना खाता खोले आउट हो गईं, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जार्जिया वोल ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शाट शामिल रहे। जार्जिया वोल ने 39 रन का योगदान दिया।

पाकिस्तान की ओर से नशरा संधू और सादिया इकबाल ने दो–दो विकेट लिए, लेकिन आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से नहीं रोक सकीं।

200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। दूसरे ही ओवर में गुल फिरोजा रन आउट हो गईं। पाकिस्तान की पारी में कुल तीन बल्लेबाज रन आउट हुए, जिससे टीम कभी मुकाबले में लौट नहीं सकी। मुनीबा अली ने 32 रन और फातिमा सना ने 17 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके।

एलिस पेरी ने बल्ले के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया और केवल एक ओवर में 9 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। सोफी मोलिन्यू ने 6 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने भी दो सफलताएं हासिल कीं।

पाकिस्तान की टीम 86 रन पर ढेर हो गई और आस्ट्रेलिया ने मुकाबला 113 रन से जीत लिया।

अब आस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला भारत से होगा, जबकि पाकिस्तान अपनी पहली जीत की तलाश में नीदरलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगा।

संक्षिप्त स्कोर:

आस्ट्रेलिया – 199/7 (20 ओवर)
एलिस पेरी 71, जार्जिया वोल 39
नशरा संधू 2/33, सादिया इकबाल 2/31
पाकिस्तान – 86 आल आउट (13.4 ओवर)
मुनीबा अली 32, फातिमा सना 17
सोफी मोलिन्यू 2/6, एलिस पेरी 2/9
परिणाम: आस्ट्रेलिया 113 रन से विजयी।

विंबलडन 2026 के ऐतिहासिक आगाज़ के लिए तैयार सिनर और स्वियातेक

जिनेवा

विश्व के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन 2026 का आगाज़ इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनेगा। गत पुरुष एकल चैंपियन यानिक सिनर 29 जून को सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलेंगे और ऐसा करने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन जाएंगे।

पिछले वर्ष पुरुष एकल खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सिनर के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलना उनके लिए रोमांचकारी क्षण होगा। उनके अनुसार विंबलडन का वातावरण दुनिया के किसी भी अन्य टेनिस कोर्ट से अलग है और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में वही सेंटर कोर्ट पर उतरेंगे।

महिला वर्ग में गत चैंपियन इगा स्वियातेक दूसरे दिन सेंटर कोर्ट पर अभियान की शुरुआत करेंगी। पिछले वर्ष खिताब जीतकर वे विंबलडन महिला एकल चैंपियन बनने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनी थीं।

स्वियातेक ने कहा कि विंबलडन ट्राफी जीतना उनके लिए शब्दों से परे अनुभव था। उन्होंने बताया कि घास के कोर्ट पर अपने खेल को ढालने के लिए उन्होंने लंबे समय तक मेहनत की और आक्रामक खेल शैली अपनाने पर विशेष ध्यान दिया। उनके अनुसार विंबलडन के समृद्ध इतिहास का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। विंबलडन के इतिहास में कई महान खिलाड़ियों ने अपनी छाप छोड़ी है। ब्योर्न बोर्ग, क्रिस एवर्ट, स्टेफन एडबर्ग, पैट राफ्टर और रोजर फेडरर जैसे दिग्गजों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टेनिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। पांच बार लगातार विंबलडन चैंपियन रहे ब्योर्न बोर्ग ने अपने पहले खिताब की याद ताजा करते हुए कहा कि ग्रस कोर्ट पर सफल होने के लिए उन्हें अपने खेल में बदलाव करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि सही लय और रणनीति मिलने के बाद ही वे इस सतह पर सहज महसूस करने लगे और यही उनकी सफलता का आधार बना। इस बार भी कई युवा सितारे पहली बार विंबलडन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। महिला वर्ग में हाल ही में फ्रेंच ओपन जीतने वाली मीरा आंद्रेएवा, बेलिंडा बेनचिच, कोको गाफ, मारिया सक्कारी और किनवेन झेंग प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। पुरुष वर्ग में जोआओ फोन्सेका, टेलर फ्रिट्ज, बेन शेल्टन और स्टेफानोस सित्सिपास जैसे खिलाड़ी खिताब की दौड़ में नजर आएंगे। 149 वर्षों के गौरवशाली इतिहास वाले विंबलडन में इस बार भी दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की निगाहें सेंटर कोर्ट पर टिकी रहेंगी, जहां एक बार फिर नए अध्याय लिखे जाएंगे।

तेलंगाना गतका समर कैंप-2026 का सफल समापन

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गतका एसोसिएशन द्वारा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना के तत्वावधान में 14 जून से 23 जून 2026 तक एल.बी. स्टेडियम, हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना गतका समर कैंप-2026 का सफलतापूर्वक समापन हो गया। शिविर का उद्देश्य पारंपरिक सिख युद्धकला गतका को बढ़ावा देना तथा राज्य के युवा खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और विकास के अवसर उपलब्ध कराना था।

10 दिवसीय इस शिविर में तेलंगाना के विभिन्न जिलों से आए विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अनुभवी प्रशिक्षकों और अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को गतका की तकनीकों, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, खेल भावना तथा प्रतियोगी कौशल का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

शिविर के उद्घाटन समारोह में गुरिंदरपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ त्रिलोक सिंह भी मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए युवाओं में गतका के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। तेलंगाना गतका एसोसिएशन ने के. शिव सेना रेड्डी तथा डॉ. ए. सोनिबाला देवी का शिविर आयोजन की अनुमति एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही डॉ. रवि कुमार को उनके सतत सहयोग और मार्गदर्शन के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया।

समापन समारोह में रणबीर सिंह गांधी, सुरेंद्र सिंह अरोड़ा, त्रिलोक सिंह, दर्शन सिंह तथा भगिंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. रवि कुमार ने तेलंगाना गतका एसोसिएशन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए भविष्य में सीएम कप प्रतियोगिताओं एवं अन्य खेल गतिविधियों में गतका को शामिल कराने के प्रयास करने की बात कही। इसे गतका के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिविर के सफल संचालन में राष्ट्रीय गतका कोच हरसिमरन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे विशेष रूप से चंडीगढ़ (पंजाब) से हैदराबाद आए और अपने अनुभव एवं मार्गदर्शन से खिलाड़ियों को लाभान्वित किया। तेलंगाना गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार सुखदेव सिंह, महासचिव सरदार विशाल सिंह, कार्यकारी सचिव/संयुक्त सचिव सरदार हरमेश सिंह रंजन, आयोजन सचिव सरदार जगजीवन सिंह, राज्य समन्वयक सरदार जसबीर सिंह, राज्य गतका कोच सरदार गुरविंदर सिंह, प्रबंधक मनिंदर सिंह तथा सरदार स्वरण सिंह सहित पूरी आयोजन टीम ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसके अतिरिक्त अधिकारियों में गुरनाम सिंह, सतप्रीत कौर, हरजोत सिंह, जगदीप सिंह, नानक सिंह, जोसेफ सर, पी.टी. सर, मनजीत कौर, संगत सिंह, गुरतेरा सिंह एवं जसलीन कौर ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

तेलंगाना गतका एसोसिएशन ने सभी जिला गतका संघों, प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों से अगले माह आयोजित होने वाली तेलंगाना राज्य गतका चैंपियनशिप की तैयारियां अभी से प्रारंभ करने का आह्वान किया है। साथ ही सभी जिलों से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण गतिविधियों को और सुदृढ़ करने का अनुरोध किया गया।

एसोसिएशन ने सभी प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों, अभिभावकों, समर्थकों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके समर्पण और कड़ी मेहनत से यह शिविर अत्यंत सफल रहा। तेलंगाना गतका समर कैंप-2026 का सफल आयोजन राज्य में गतका के प्रचार-प्रसार और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा यह पूरे गतका परिवार के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

ईथेम्स बिजनेस स्कूल बना तेलंगाना का पहला एआई-नेटिव बिजनेस स्कूल

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के प्रमुख व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में से एक, ईथेम्स बिजनेस स्कूल ने आज अपने परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में तेलंगाना के पहले 'एआई-नेटिव बिजनेस स्कूल' के रूप में अपने परिवर्तन की घोषणा की। यह बदलाव प्रबंधन शिक्षा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जिसके तहत शिक्षण, शिक्षण पद्धति, अनुसंधान, नवाचार, उद्योग जुड़ाव और छात्र विकास के हर पहलू में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई) को एकीकृत किया गया है।

इस अवसर पर ईथेम्स बिजनेस स्कूल के चेयरमैन काली प्रसाद गदराजू ने 200 से अधिक छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान की एआई परिवर्तन यात्रा एक साल से अधिक समय पहले शुरू हुई थी। उन्होंने कहा, यह केवल एक नई पहल की शुरुआत नहीं है, बल्कि मानव इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक के प्रति हमारी प्रतिक्रिया है। यदि दुनिया इतनी नाटकीय रूप से बदल गई है, तो शिक्षा वैसी ही कैसे रह सकती है? उन्होंने कहा कि जैसे 1990 के दशक में कंप्यूटर साक्षरता आवश्यक हो गई थी, वैसे ही आज एआई साक्षरता और क्षमता जरूरी हो गई है। एआई को सोच की जगह नहीं लेनी चाहिए, बल्कि सोच को और मजबूत करना चाहिए।

इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए छात्रों और फैकल्टी ने एआई टूल्स स्पीक, ह्यूमंस डिसाइड नामक एक अनोखा नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में चैटजीपीटी, जेमिनी , क्लॉड, परप्लेक्सिटी , कोपायलट और ग्रोक जैसे अग्रणी एआई प्लेटफॉर्म का प्रतिनिधित्व करने वाले पात्रों ने छात्रों को खुद को चुनने के लिए रिझाने की प्रतियोगिता की। जब छात्र दावों के बीच भ्रमित हो गए, तो प्रोफेसरों ने हस्तक्षेप किया और मुख्य संदेश दिया: एआई का उपयोग जिम्मेदारी से करें, गंभीर रूप से सोचें, समझदारी से सवाल करें और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कभी भी ह्यूमन इंटेलिजेंस (मानव बुद्धि) की जगह न लेने दें। इसके साथ ही छात्रों, शिक्षकों और संस्थागत नेताओं ने जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से एआई का उपयोग करने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान एआई-नेटिव परिवर्तन कार्यक्रम को पूरा करने वाले फैकल्टी और छात्रों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए और एक स्मारक एआई-नेटिव केक काटा गया।

कार्यक्रम में मुख्य परिवर्तन अधिकारी और सेवानिवृत्त आईपीएस वी.वी. लक्ष्मी नारायण ने एआई को मानवता के तकनीकी विकास का अगला महान अध्याय बताया। एआई के कारण नौकरी जाने की चिंताओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, जब रेलवे आया, तो लोगों को पारंपरिक यात्रा के अंत का डर था। जब कंप्यूटर आए, तो व्यापक बेरोजगारी की भविष्यवाणी की गई थी। जब एटीएम आए, तो कहा गया कि बैंक शाखाएं गायब हो जाएंगी। इनमें से कोई भी भविष्यवाणी सच नहीं हुई। तकनीक नौकरियां बदलती है, मानवीय क्षमता को खत्म नहीं करती। एआई कुछ नौकरियों की जगह ले सकता है, लेकिन सक्षम इंसानों की जगह कभी नहीं ले सकता।

कामारेड्डी में ईगल फोर्स ने चलाया नशा विरोधी जागरूकता अभियान

कामारेड्डी, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): डीजीपी तेलंगाना सी.वी.आनंद के निर्देश और कामारेड्डी एसपी एम. राजेश चंद्र के आदेश पर मंगलवार को कमांड कंट्रोल सेंटर में ईगल फोर्स तेलंगाना विंग ने नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में गीत-संगीत के माध्यम से युवाओं और छात्रों को ड्रग्स के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। कहा गया कि नशे की लत जिंदगी को अंधकार में धकेल देती है और अपराध व आत्महत्या तक ले जा सकती है। छात्रों से अपील की गई कि ड्रग्स से जुड़ी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1908 पर कॉल करें।

इस मौके पर ईगल फोर्स के अधिकारी, स्टाफ, छात्र और विभिन्न स्कूलों के शिक्षक मौजूद थे। कामारेड्डी जिला पुलिस कालब्रिंडम इंचार्ज हेड कांस्टेबल रामंचा तिरुपति, शेष राव और प्रभाकर सेलू ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

मंचेरियाल में छात्रों को स्कूल किट वितरित

मंचेरियाल, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं रघुनाथ वेराबेली फाउंडेशन के चेयरमैन रघुनाथ वेराबेली ने मंगलवार को हाजीपुर मंडल के डोनाबंदा और सब्बेपल्ली गवर्नमेंट हाई स्कूल में दसवीं कक्षा के छात्रों को स्कूल किट वितरित की।

फाउंडेशन की ओर से छात्रों को बैग, नोटबुक और ज्योमेट्री बॉक्स दिए गए। रघुनाथ ने बताया कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए फाउंडेशन पिछले 6 साल से हर वर्ष स्कूल किट उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने छात्रों से मन लगाकर पढ़ने और माता-पिता का नाम रोशन करने की अपील की। कार्यक्रम में मंचेरियल नगर परिषद के फ्लोर लीडर मुकेश गौड़, दोनों स्कूलों के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण और छात्र उपस्थित थे।

चेतन एवं मनोज शर्मा के आयोजकत्व में संत शिरोमणि स्वामी श्री सदानंद जी महाराज की मौलाली में चल रही श्रीमद् भागवत सार कथा में उपस्थित उप्पल के विधायक लक्ष्मा रेड्डी, कॉर्पोरेटर देवेन्द्र रेड्डी गुरुजी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए एवं चेतन शर्मा जी को सालगिरह की शुभकामना देते हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वीएचपी...

ये तो व्यवहारिक नहीं लगा। आज के कार्यक्रम में ही संतों के हाथों में वो समर्पित की जाएगी। मैं जंगजीत बहादुर सिंह से निवेदन करता हूं कि वो मंच पर रामचरितमानस की 300 वर्ष पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपि लेकर आएं। खोल कर दिखाएं।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा ‐ बिना एफआईआर के एसआईटी का गठन नहीं हो सकता। यह एसआईटी किस कानून और किस धारा के तहत बनाई गई है, सरकार को जवाब देना चाहिए। इस एसआईटी के पास कोई अधिकार नहीं है। वह न किसी को समन कर सकती है, न गिरफ्तारी कर सकती है और न ही छापेमारी कर सकती है। यह एसआईटी सिर्फ मामले को दबाने और बड़े लोगों को बचाने के लिए बनाई गई है। 2021 में भी अयोध्या में जमीन खरीद मामले को लेकर एक एसआईटी बनाई गई थी, लेकिन उसमें भी एफआईआर नहीं हुई और आज तक उस जांच का कोई पता नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि अगर इतने लंबे समय से चढ़ावे की चोरी हो रही थी तो जांच बड़े लोगों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि मामले की जांच ईडी और सीबीआई को क्यों नहीं सौंपी जा रही है। हर हिंदू और हर सनातनी पूछ रहा है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच ईडी और सीबीआई को क्यों नहीं दी जा रही है।

सांसद संजय सिंह ने बताया ‐ एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत ने कल, 25 जून को मुझे 11 बजे समय दिया है। सारे कागजात लेने की बात उन्होंने कही है, तो मैं कल सारे सबूत एसआईटी के सामने रखूंगा।

एसआईटी रिपोर्ट पीएमओ भेजी गई

राम मंदिर चढ़ावे की जांच के लिए सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई थी। इसमें लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत (आईएएस), आईजी लखनऊ रेंज किरण शिवकुमार और यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस के विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन कुमार शामिल हैं। एसआईटी ने 23 जून (मंगलवार) को अपनी जांच रिपोर्ट एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को सौंपी थी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। एसआईटी ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार की तरफ से रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को मिल गई है। पीएमओ तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए और किन्हें हटाया जाए।

बताया जा रहा है कि सेवादारों को मंदिर में सालों से चल रहे गबन की जानकारी थी। इसमें बड़े लोगों के नाम होने के कारण वे कुछ बोल नहीं रहे थे। पिछले 2 सालों में टिन्नू का दबदबा बढ़ा तो मंदिर में काम करने वाले एक गुट को यह चुभने लगा। इस गुट ने प्लानिंग बनाकर उससे करीबी बढ़ाई। फिर सभी तथ्य पता कर इसकी जानकारी मीडिया तक पहुंचा दी।

नेताओं को...

मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की संभावित रिपोर्टों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं को पूरे राज्य में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान की पूर्ण सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रभारी मंत्रियों को और अधिक जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि गरीबों के मताधिकार की रक्षा करना बेहद क्रिटिकल (महत्वपूर्ण) है। मुख्यमंत्री ने आगाह किया कि यदि गरीब लोग अपना वोट खो देते हैं, तो वे कल्याणकारी योजनाओं, राशन कार्ड और आधार कार्ड से हाथ धो सकते हैं, जिससे उनके अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

जंग की...

दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

सिंधु जल समझौता क्या है?

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं ‐ सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं।

मुनीर हत्या...

मिली थी कि मोसाद स्विट्ज़रलैंड में होने वाली हाई-लेवल बातचीत के दौरान मुनिर और पाकिस्तानी डेलिगेशन के दूसरे सदस्यों को मारने की तैयारी कर रहा था।

इज़राइली नेताओं ने ईरान-अमेरिका शांति समझौते की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया था। लेबनान में इज़राइल के मिलिट्री ऑपरेशन से भी इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। इज़राइल ने कहा था कि वह लेबनान में ऑपरेशन नहीं रोकेगा क्योंकि ईरान समर्थित मिलिशिया हिज़्बुल्लाह उसके लिए खतरा बना हुआ है।

पॉडकास्ट के दौरान मारियो नवाफल ने एस्कोबार से डिप्लोमैटिक बातचीत के पीछे पाकिस्तान और इज़राइल के बीच तनाव की खबरों के बारे में पूछा।

एस्कोबार ने कहा, पाकिस्तानी सेना को बहुत भरोसेमंद जानकारी मिली थी कि नेतन्याहू के आदेश पर मोसाद आसिम मुनिर और शायद स्विट्ज़रलैंड जाने वाले बाकी पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की हत्या की साजिश रच रहा था।

पाक बिलबिलाया ‐ इज़राइल को नक्शे से मिटा देंगे

पेपे एस्कोबार ने कहा कि मोसाद की कथित साजिश के बारे में पता चलने पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने राजनयिक मध्यस्थों के ज़रिए जवाब दिया।

उन्होंने कहा, पाकिस्तानियों ने मध्यस्थों के ज़रिए सीधा संदेश भेजा। मेरा अंदाज़ा है कि इस मामले में ओमान के ज़रिए सीधे इज़राइल को यह संदेश दिया गया कि अगर तुमने हमारे प्रतिनिधिमंडल को छुआ, तो हम तुम्हें नक्शे से मिटा देंगे, बस बात खत्म। मैं उनके शब्द दोहरा रहा हूं। हमारे सूत्र ने हमें यही बताया है।

पाकिस्तान एकमात्र ऐसा इस्लामी देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं। इधर इज़राइल को भी परमाणु शक्ति माना जाता है।

एस्कोबार के दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और न ही पाकिस्तान और इज़राइल की सरकारों ने इसकी पुष्टि की है। एस्कोबार के दावे का समर्थन करने वाला कोई सबूत भी नहीं है। मुनिर की कथित हत्या का आरोप तब सामने आया जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन और ते-हरान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों से जुड़ी कूटनैतिक बैठकों में शामिल हुआ था। आसिम मुनिर इस उच्च-स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

हालांकि पाकिस्तानी पत्रकारों ने एस्कोबार के दावे को खारिज करते हुए इसे तथ्यों से रहित कहानी बताया है।

मध्यस्थता को लेकर राजनयिक तनाव

इज़राइल और पाकिस्तान एक-दूसरे को दुश्मन मानते हैं और दोनों देशों के बीच कोई रणनीतिक साझेदारी नहीं है। पाकिस्तान तो इज़राइल को एक देश के तौर पर मान्यता भी नहीं देता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इससे पहले इज़राइल की कड़ी आलोचना की थी। आसिफ ने इज़राइल को बुरा और इंसानियत के लिए अभिशाप बताया और उस पर लेबनान में नरसंहार करने का आरोप लगाया। इज़राइली अधिकारियों ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के आरोपों को तुरंत खारिज कर दिया और सवाल उठाया कि क्या इस्लामाबाद एक निष्पक्ष मध्यस्थ के तौर पर काम कर सकता है, जबकि सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ऐसे बयान दे रहे हों।

मौत...

जिंदगी भर मेरे साथ रहेगा और एक दिन मेरी चिता को अग्नि देगा। लेकिन किसी के आपराधिक कृत्य ने मेरा बेटा मुझसे छीन लिया। परिवार अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। पुलिस आने वाले दिनों में हत्या के पीछे की मंशा का खुलासा कर सकती है, लेकिन केतन की मौत से पहले हुई घटनाओं की कड़ी खुद कई सवाल खड़े करती है। बार-बार लोहागढ़ किले की ट्रेकिंग, बाली ट्रिप का कैंसिल होना, एक असफल मर्डर अटेम्प्ट और फिर उसी दोबारा जाना, ये सब कुछ अब जांच के केंद्र में हैं।

सवाल ‐ कपल बार-बार क्यों जा रहा था लोहागढ़?

ओपन सोर्स इंटेलिजेंस टीम ने लोहागढ़ किले के जियोग्राफी, हाइट और आसपास के इलाके को देखा-समझा। जांच में पाया गया कि यह किला आसपास के एरिया से लगभग 600 फीट ऊंचा है। यहां खड़ी चट्टानें, गहरी खाइयां और ऐसे कई हिस्से हैं जो मेन टूरिस्ट पॉइंट से दूर और बेहद सुनसान रहते हैं।

सदियों पहले सुरक्षा के लिहाज से बनाए गए इस किले की संरचना ऐसी है कि कुछ जगहों पर भीड़भाड़ वाले रास्ते अचानक सुनसान और खतरनाक किनारों में बदल जाते हैं। खासकर गर्मियों और मानसून से पहले के मौसम में यहां पर्यटकों की संख्या कम हो जाती है, जिससे कई हिस्से और अधिक निर्जन हो जाते हैं। यही वजह है कि जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या लोहागढ़ को जानबूझकर एक क्राइम स्पॉट के रूप में चुना गया था।

फरवरी में सगाई, मई में पहली ट्रिप

केतन और सिया की सगाई फरवरी में हुई थी। परिवारों की सहमति से दोनों की शादी कुछ महीनों बाद होने वाली थी। 31 मई को दोनों पहली बार साथ में लोहागढ़ किले घूमने गए। इसके बाद 5 जून को फिर से वहां जाने की चर्चा हुई, लेकिन यह योजना पूरी नहीं हो सकी। केतन के पिता के मुताबिक परिवार को यह बात जरूर अजीब लग रही थी कि दोनों बार-बार उसी किले पर जाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें किसी साजिश का जरा भी अंदेशा नहीं था।

बाली ट्रिप भी नहीं हो सकी

6 जून को चार लोगों का एक बाली ट्रिप का प्लान बना था। लेकिन एयरपोर्ट पर केतन का पासपोर्ट कथित रूप से चोरी हो गया, जिसके कारण पूरी यात्रा रद्द करनी पड़ी और सभी को वापस लौटना पड़ा। इस घटना के बाद 14 जून को केतन और सिया एक बार फिर लोहागढ़ पहुंचे। परिवार ने इसकी अनुमति इसलिए दे दी क्योंकि बाली ट्रिप कैंसिल हो गई थी और पहले की एक प्लानिंग भी अधूरी रह गई थी।

14 जून को हुई थी पहली कोशिश?

अब पुलिस 14 जून की यात्रा को हत्या की पहली कोशिश के तौर पर देख रही है। जांचकर्ताओं के अनुसार इसी दिन सिया ने कथित रूप से केतन को एक चट्टान से धक्का दिया था। हालांकि वह बच गया क्योंकि नीचे गिरते समय एक पेड़ की शाखा ने उसकी जान बचा ली। पुलिस का दावा है कि इस घटना के बाद सिया ने केतन को बताया कि उसने चट्टान के किनारे एक सांप देख लिया था। घबराहट में उसे बचाने के लिए उसने धक्का दिया था। केतन ने इस बात पर विश्वास कर लिया और घटना को दुर्घटना मान लिया।

अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या 14 जून की घटना वास्तव में हत्या की असफल कोशिश थी और क्या केतन को इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वह जिस व्यक्ति पर भरोसा कर रहा है, वही उसकी जान लेना चाहती है।

18 जून को हुई मौत, सीसीटीवी से खुली साजिश

पुलिस के अनुसार 18 जून को सिया गोयल और उसके मित्र चेतन चौधरी ने मिलकर केतन को लोहागढ़ किले की एक चट्टान से नीचे धक्का दिया। शुरुआत में मामला हादसा जैसा लगा क्योंकि सिया ने अधिकारियों को बताया था कि केतन का पैर फिसल गया और वह गिर गया। हालांकि पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल के मुताबिक जांच के दौरान कई बातें संदिग्ध लगीं। केतन एक अनुभवी ट्रेकर था और उसके अचानक फिसलकर गिरने की संभावना कम मानी गई। इसी आधार पर पुलिस ने मामले की गहराई से जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने लोहागढ़ के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में केतन और सिया साथ चलते दिखाई दिए। उनके पीछे एक तीसरा व्यक्ति भी नजर आया, जिसने हूडी पहन रखी थी और उसका चेहरा काफी हद तक ढका हुआ था। फुटेज में एक जगह सिया पीछे मुड़कर देखती हुई भी दिखाई देती है, जबकि वह व्यक्ति अचानक बैठ जाता है। उस दिन तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस था। ऐसे में गर्मी के बावजूद किसी का हूडी पहनना पुलिस को संदिग्ध लगा।

लोहागढ़ किले के गेटकीपर से भी बात की। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को देखा था, जो बाद में चेतन चौधरी निकला। वह मास्क और पूरे शरीर को ढकने वाले स्पोर्ट्स कपड़ों में था। जाधव के मुताबिक जब उन्होंने उससे 25 रुपये का प्रवेश टिकट खरीदने को कहा तो उसने खुद को व्यायाम करने आया व्यक्ति बताया और टिकट लेने से इनकार करते हुए किले की ओर बढ़ गया।

फरवरी के रोका...

जबकि दोनों का रोका 19 फरवरी को संपन्न हुआ था।

वीडियो में केतन और सिया एक-दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए नजर आते हैं। समारोह के दौरान दोनों परिवारों के बीच खुशी का माहौल दिखाई देता है। सिया अलग-अलग अंदाज में तस्वीरें खिंचवाती और वीडियो बनवाती दिख रही है। वहीं, केतन भी अपनी होने वाली जीवनसंगिनी के साथ इस खास पल का आनंद लेता नजर आता है। सबसे खास दृश्य वह है, जब दोनों एक-दूसरे को अंगूठी पहनाते हैं और मौजूद लोग तालियों के साथ उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।वीडियो देखने वालों के लिए यह विश्वास करना मुश्किल है कि यही सिया आज केतन हत्याकांड की मुख्य आरोपी के रूप में जांच के घेरे में है। वीडियो में कहीं भी उसके चेहरे पर तनाव, असहजता या किसी तरह की नाराजगी दिखाई नहीं देती। वह पूरी तरह खुश और रिश्ते को लेकर उत्साहित नजर आती है।

हालांकि, अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। केतन की मौत के बाद पुलिस जांच में कई नए पहलू सामने आए हैं। जांच एजेंसियां इस आरोप की भी पड़ताल कर रही हैं कि सिया ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर केतन को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। इसी एंगल से पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और दोनों के रिश्ते, बातचीत तथा घटनाक्रम से जुड़े हर पहलू को खंगाल रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 25 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को बंडारू दत्तात्रेय ने सौंपा ज्ञापन

आदिवासियों की समस्याओं पर की चर्चा

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला से राजभवन (लोक भवन) में शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य के आदिवासी (गिरिजन) समुदाय के सामने आ रही विभिन्न गंभीर समस्याओं को लेकर राज्यपाल को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

श्री दत्तात्रेय ने राज्यपाल का ध्यान आदिवासियों के भूमि अधिकारों के संरक्षण, पोडू खेती से जुड़ी समस्याओं के समाधान और 1/70 अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने पेसा (पीईएसए) कानून को पूरी तरह लागू करने तथा वन अधिकार अधिनियम के तहत पात्र आदिवासियों को उनके अधिकार प्रदान करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार के अवसरों में सुधार लाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। मुलाकात के दौरान पूर्व राज्यपाल ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आदिवासियों के कल्याण के लिए संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और सुरक्षा उपायों को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि आदिवासी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हो रहे भूमि अतिक्रमण, विकास की कमी और रोजगार के अवसरों के अभाव जैसी जटिल समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए राज्य जनजातीय सलाहकार परिषद के माध्यम से उचित और ठोस कदम उठाए जाएं।

पूर्व राज्यपाल द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला ने आदिवासी समुदाय की समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने कहा कि वे इन समस्याओं के निवारण और आदिवासियों के विकास के लिए हर संभव सहयोग और सहायता प्रदान करने का पूरा प्रयास करेंगे।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री दत्तात्रेय ने कहा कि आदिवासी समाज की उन्नति, उनके अधिकारों की रक्षा और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राजस्थानी जागृति समिति द्वारा 9 दिवसीय शिव पुराण कथा का आयोजन

13 अगस्त से होगा आध्यात्मिक महोत्सव

28 जून को आयोजन की तैयारियों को लेकर होगी महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में सावन मास के पावन अवसर पर 9 दिवसीय शिव पुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन 13 अगस्त से 21 अगस्त तक प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से सायं 7 बजे तक साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुडा चौरस्ता, आतापुर, हैदराबाद में संपन्न होगा।

यह जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

उन्होंने बताया कि कथा का वाचन बाल विदुषी दीक्षा किशोरी अपनी अमृतमयी वाणी से करेंगी। कथा के दौरान भगवान शिव की महिमा, धर्म, भक्ति एवं आध्यात्मिक जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा।

समिति द्वारा इस धार्मिक आयोजन के लिए मुख्य यजमान, सह-यजमान एवं दैनिक यजमानों का चयन किया जाएगा। समिति ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से इस पुण्य अवसर में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आह्वान किया है।

श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि सभी धर्मप्रेमी परिवार सहित एवं अपने इष्ट-मित्रों के साथ कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें तथा आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

शिव पुराण कथा को भव्य स्वरूप देने एवं आयोजन संबंधी तैयारियों पर चर्चा के लिए 28 जून (रविवार) को प्रातः 11 बजे साईं बाबा मंदिर, एन.एम. गुडा चौरस्ता, आतापुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

समिति ने आतापुर क्षेत्र की सभी सामाजिक, धार्मिक एवं महिला संस्थाओं, विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों, महिलाओं एवं पुरुषों से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने का आग्रह किया है। समिति का मानना है कि सामूहिक सहयोग और सुझावों से शिव पुराण कथा को और अधिक भव्य एवं सफल बनाया जा सकेगा।

धर्मप्रेमियों से सहयोग का आह्वान

समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आयोजन में तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन समाज में धार्मिक चेतना, आध्यात्मिक जागृति एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का माध्यम बनेगा।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक श्रद्धालु समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी से संपर्क कर सकते हैं।

पुत्र की यादें जीवनभर साथ रहती हैं, सेवा के माध्यम से विकास आज भी हमारे बीच हैं : श्याम सुंदर अग्रवाल

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास बुधवार को स्वर्गीय श्री विकास अग्रवाल की पुण्यतिथि पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, संवेदना और सेवा भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वर्गीय विकास अग्रवाल के पिता श्याम सुंदर अग्रवाल भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि एक पिता के लिए पुत्र केवल संतान नहीं, बल्कि उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा, उसकी आशाओं का केंद्र और उसके सपनों का विस्तार होता है। पुत्र के जाने का दुःख समय के साथ कम अवश्य होता है, लेकिन उसकी स्मृतियां कभी समाप्त नहीं होतीं। विकास आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका स्नेह, उनके संस्कार, उनका अपनापन और उनकी यादें आज भी परिवार के प्रत्येक सदस्य के हृदय में जीवित हैं।

उन्होंने कहा कि विकास का स्वभाव अत्यंत सरल, विनम्र और सहयोगी था। वे सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहते थे और परिवार के साथ-साथ समाज के लोगों के प्रति भी आत्मीयता रखते थे। उनके व्यक्तित्व की यही विशेषताएं आज भी उन्हें जानने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने उन्हें हमसे दूर अवश्य कर दिया, लेकिन उनके द्वारा दिए गए संस्कार और जीवन मूल्य हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि अपने प्रिय पुत्र की पुण्यतिथि पर अन्नदान और सेवा कार्य करने से मन को आत्मिक शांति मिलती है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और उनके चेहरे पर संतोष का भाव देखना ऐसा अनुभव कराता है मानो विकास स्वयं इस सेवा कार्य में उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि किसी दिवंगत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं, बल्कि समाजहित के कार्यों से दी जा सकती है। सेवा, सहयोग और परोपकार ही वे माध्यम हैं जिनके द्वारा हम अपने प्रियजनों की स्मृतियों को सदैव जीवंत रख सकते हैं।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को महादान का दर्जा प्राप्त है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा, करुणा और मानवता के मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

ऐसे कार्यक्रम न केवल जरूरतमंद लोगों की सहायता करते हैं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर श्याम सुंदर अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गजराज जैन, मनीष चिंडालिया एवं महेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के शिष्टमंडल ने गणमान्य व्यक्तियों से की भेंट

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका भेंट की

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष जगमोहन सिंह के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने शहर के विभिन्न गणमान्य एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों से शिष्टाचार भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल में हरप्रीत सिंह गुलाटी (प्रदेश महामंत्री), रजनीश जैन (प्रदेश महामंत्री) तथा महेंद्र सज्जनलाल जैन (कार्यकारिणी सदस्य) शामिल थे। शिष्टमंडल ने समाज के प्रमुख नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के परिवर्तनकारी शासन, विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को दर्शाती पुस्तिका भेंट की।

इस अवसर पर शिष्टमंडल ने सेवानिवृत्त मजिस्ट्रेट विष्णु सहाय, प्रख्यात अंकशास्त्री श्रीनिवासन, प्रमुख व्यवसायी अशोक नीमकर, महाजन बैंक के अध्यक्ष पारसमल रांका, सिकंदराबाद संघ के अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र कटारिया, चेयरमैन संपतराज कोठारी, प्रमुख व्यवसायी महावीर तातेड सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर केंद्र सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए आधारभूत संरचना विकास, आर्थिक प्रगति, सामाजिक कल्याण योजनाओं, डिजिटल परिवर्तन तथा वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा से संबंधित जानकारी साझा की।

भेंट के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा अनेक उल्लेखनीय विकास कार्य एवं जनहितकारी पहलें की गई हैं, जिनका लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचा है। उन्होंने देश के समग्र विकास एवं सुशासन के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

प्रतिभूति मुद्रणालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरप-ोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई, प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद द्वारा मुख्य सम्मेलन कक्ष, चतुर्थ तल, प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु मंगलवार दि. 23.06.2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में श्री लोकेश चंद्र लाल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय, हैदराबाद द्वारा राजभाषा नीति-नियमों एवं हिंदी भाषा के सहज एवं सरल प्रयोग विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसका उद्देश्य कार्यालय में हिंदी के सरल उपयोग को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों को राजभाषा नीतियों एवं नियमों के प्रति जागरूक करना था। व्याख्यान में प्रतिभागियों को राजभाषा नीति नियमों एवं सरल भाषा के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी दी गई। राजभाषा अनुभाग, प्रतिभूति मुद्रणालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में इकाई के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर श्री के. एन. महापात्र, मुख्य महाप्रबंधक एवं श्री मेहुल राठोड़, प्रबंधक (मा.सं.) एवं प्रभारी (राजभाषा) भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष साव, पर्यवेक्षक (राजभाषा) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री बोडा नरेश, कार्यालय सहायक (राजभाषा) ने किया।

दोमलगुडा श्मशान वाटिका के विकास कार्यों का भव्य शिलान्यास

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दोमलगुडा स्थित वाल्मीकि मेहतर श्मशान वाटिका के विकास कार्यों हेतु 49 लाख की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का भव्य शिलान्यास किया गया। परियोजना के अंतर्गत भंडारगृह निर्माण, छत पर शेड की व्यवस्था, जलापूर्ति प्रणाली का सुदृढ़ीकरण तथा सीसी सड़क निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जाएंगे। शिलान्यास कार्यक्रम में एम. अनिल कुमार यादव, मुथा गोपाल एवं सुरभि वाणी देवी ने समिति पदाधिकारियों, समाज बंधुओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्मशान वाटिका के विकास के लिए स्वीकृत यह परियोजना वाल्मीकि मेहतर समाज की एकता, संघर्ष एवं निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। लंबे समय से यहां आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं आधुनिकीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे अब मूर्त रूप दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में श्मशान वाटिका समिति के समर्पित सदस्य डी. सुभाष, डी. किशन, बी. सेठपाल (प्रकाश), बाबूलाल, सी. धर्मवीर (धम्मू), जे. सुरेंद्र, एस. राजेंद्र (पप्पू), के. विजय (पापा), एस. श्रीकांत, सी. दीपक, सी. शिवा, सी. राकेश, नेशी, पी. गोरख, बी. लड्डू, डी. सोनू, डी. अभिमन्यु (ताना), राजेश, जीतू, लवीन, सुखबीर, राजू, एच. संदीप, टी. विक्रम, एस. दिनेश, एम. राजेंद्र तथा एस. अरुण सहित समिति के सभी सदस्य एवं समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समिति ने समाजसेवी विक्की ढिलोड़ के योगदान की विशेष सराहना करते हुए कहा कि विकास कार्यों की स्वीकृति प्राप्त कराने तथा परियोजना को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद श्मशान वाटिका को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त स्वरूप प्राप्त होगा। इससे अंतिम संस्कार हेतु आने वाले लोगों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा परिसर की व्यवस्थाओं में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समिति सदस्यों एवं समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित लोगों ने विकास कार्यों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण की अपेक्षा व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

तुंगभद्रा जल विवाद : रेवंत ने केंद्र से मांगी दखल

तेलंगाना के हक का पानी दिलाने की मांग

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उन्होंने मांग की है कि केंद्र सरकार नदी तटवर्ती राज्यों कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कराए ताकि तेलंगाना को तुंगभद्रा नदी से उसके हिस्से का पूरा पानी मिलना सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना, तुंगभद्रा बांध और नदी प्रवाह से 15.9 टीएमसी फीट पानी पाने का हकदार है, लेकिन वर्तमान में उसे केवल 5 से 6 टीएमसी फीट पानी ही मिल पा रहा है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक में इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठाने का फैसला किया है। यह बैठक कर्नाटक के तुंगभद्रा बांध में 33 स्पिलवे गेटों के उद्घाटन के बाद तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों के साथ आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री इस बैठक में राजोलीबंदा डायवर्जन योजना के लंबित कार्यों को तुरंत पूरा करने की मांग भी करेंगे। वह गुरुवार सुबह कर्नाटक के विजयनगर जिले के होसपेटे में आयोजित इस कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ शामिल होंगे।

जलसौधा में तुंगभद्रा परियोजना, राज-ोलीबंदा डायवर्जन योजना और अंतर-राज्यीय नदी जल मुद्दों पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जोगुलाम्बा गद्वाल जिले के लगभग 75 गांवों में फैला करीब 83,987 एकड़ का आयकट (सिंचित क्षेत्र) आरडीएस के पानी पर निर्भर है। चूंकि तुंगभद्रा बेसिन में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक शामिल हैं, इसलिए उन्होंने तीनों राज्यों के बीच जल आवंटन के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय जल आयोग की देखरेख में तुंगभद्रा बोर्ड को मजबूत करने का आह्वान किया। इस बैठक में सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, उत्पाद शुल्क और पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, सरकार के सलाहकार ए.पी. जितेंद्र रेड्डी, सिंचाई सलाहकार आदित्य नाथ दास, सीएमओ सचिव मनिका राज, सिंचाई सचिव राहुल बोज्जा और विशेष मुख्य सचिव (ऊर्जा) नवीन मित्तल ने भाग लिया।

दो दशकों से लंबित हैं विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें

चर्चा के दौरान इंजीनियरों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि आरडीएस हेडवर्क्स के तेलंगाना की तरफ भारी मात्रा में गाद (डळश्रीं) जमा होने के कारण नहर में पानी का मोड़ गंभीर रूप से बाधित हो रहा है। बैठक में वर्ष 2004 में एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई सिफारिशों की समीक्षा की गई, जिसमें गाद जमाव को हटाने, सुचारू पानी के प्रवेश के लिए उचित ढाल की बहाली, नदी के प्रवाह को स्थिर करने के लिए सुरक्षात्मक कामऔर बार-बार होने वाले गाद जमाव को रोकने के लिए एक रिटेनर वॉल के निर्माण का सुझाव दिया गया था। बैठक में यह नोट किया गया कि दो दशक बीत जाने के बाद भी इन सिफारिशों को लागू नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 2004 की समिति की सिफारिशों के साथ वर्तमान जमीनी स्थिति की तुलना करते हुए एक रिपोर्ट तैयार करें और सुझाए गए उपायों को लागू करने की मांग को लेकर केंद्र सरकार को एक प्रतिवेदन सौंपें। चूंकि जमा हुई गाद कर्नाटक के क्षेत्र में आती है, इसलिए तेलंगाना गाद हटाने के कार्यों के लिए पड़ोसी राज्य कर्नाटक का सहयोग भी मांगेगा। इंजीनियरों ने कहा कि महत्वपूर्ण सिंचाई अवधियों के दौरान पानी के परिवहन में सुधार के लिए नहर के हेड रेगुलेटर के पास व्यवस्थित ड्रेजिंग (गाद की सफाई) एक तात्कालिक समाधान हो सकता है।

आरडीएस एनिकट की जर्जर स्थिति पर चिंता

बैठक में अगले 15 से 20 वर्षों में आरडीएस प्रणाली को विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक संरचनात्मक और हाइड्रोलिक समाधानों की भी जांच की गई। तकनीकी विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ प्रवाह स्थितियों के तहत, नदी के पानी का एक बड़ा हिस्सा आंध्र प्रदेश की ओर चला जाता है, जिससे तेलंगाना नहर के मुहाने पर पानी की उपलब्धता कम हो जाती है। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को ड्रेजिंग, कैनाल-हेड में सुधार, आधुनिकीकरण के कार्य, पूरक लिफ्ट सिंचाई विकल्प और अंतर-राज्यीय समन्वय तंत्र को शामिल करते हुए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने आरडीएस एनिकट की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और अधिकारियों से भविष्य के जोखिमों को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा संबंधी कार्यों की पहचान करने को कहा। अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि हालांकि तेलंगाना ने आरडीएस के आधुनिकीकरण के लिए 59 करोड़ जमा किए थे, लेकिन पैकेज 1 और 2 के तहत काम शुरू नहीं हो सका है, जबकि पैकेज 3 और 4 पूरे हो चुके हैं।

तुम्मीला लिफ्ट सिंचाई योजना में तेजी लाने के निर्देश

आरडीएस आयकट को स्थिर करने और किसानों के लिए सिंचाई सुरक्षा में सुधार करने के उद्देश्य से परिकल्पित 'तुम्मीला लिफ्ट सिंचाई योजना' की समीक्षा करते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से परियोजना के माध्यम से तुंगभद्रा के पानी का अधिकतम उपयोग करने के लिए सभी संभावित विकल्पों को तलाशने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों को मल्लम्माकुंटा बैलेंसिंग जलाशय की भंडारण क्षमता को बढ़ाकर 5 से 6 टीएमसी फीट करने की संभावना की जांच करने का निर्देश दिया, भले ही इसके लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता क्यों न हो, और कार्यों में तेजी लाने को कहा।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस परियोजना को दो चरणों में डिजाइन किया गया था, जिसमें चरण-ख में तीन पंप हाउस और चरण-2 में मल्लम्माकुंटा सहित तीन बैलेंसिंग जलाशय शामिल हैं।

सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना आरडीएस आयकट पर निर्भर किसानों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक सभी प्रशासनिक, इंजीनियरिंग और कानूनी उपाय करना जारी रखेगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि सरकार का उद्देश्य केवल कागजों पर पानी का आवंटन सुरक्षित करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आवंटित पानी भौतिक रूप से किसानों के खेतों तक पहुंचे।

राधे-राधे ग्रुप एक परिवार, सेवा और संस्कार हमारी पहचान : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ भाग लेते हुए मानवता की सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि एक सशक्त परिवार है, जो सेवा, सहयोग और संस्कारों की भावना के साथ निरंतर समाज के बीच कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार की एकता और सभी सदस्यों के सहयोग से ही ग्रुप के तीनों सेवा केंद्रों पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम निरंतर एवं निर्विघ्न रूप से संचालित हो रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व और संतोष का विषय है कि प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची सेवा भी है। जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद संतोष और प्रसन्नता दिखाई देती है, तो वही सेवा कार्य की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि समाज में करुणा, संवेदना और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करना भी है।

आज की सेवा में प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धारशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता उपस्थित रहे तथा सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

सेटविन जॉब मेले में 70 युवाओं को मिला रोजगार

सेटविन में प्रशिक्षण यानी रोजगार की गारंटी : एन. गिरिधर रेड्डी

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेरोजगार युवाओं को स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार के उपक्रम सोसाइटी फॉर एम्प्लॉयमेंट प्रमोशन एंड ट्रेनिंग इन ट्विन सिटीज (सेटविन) द्वारा बुधवार को मोतीगली स्थित प्रशिक्षण केंद्र में विशेष जॉब मेले का सफल आयोजन किया गया।

यह भर्ती अभियान सेटविन के अध्यक्ष एन. गिरिधर रेड्डी के मार्गदर्शन में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (पेंटालून्स) के सहयोग से आयोजित किया गया। सेटविन के प्रबंध निदेशक एम. उपेंद्र रेड्डी ने बताया कि विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से जुड़े 73 उम्मीदवारों ने साक्षात्कार में भाग लिया, जिनमें से 70 युवाओं का तत्काल रोजगार के लिए चयन किया गया।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि उम्मीदवारों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यता, दक्षता तथा प्रशिक्षण के दौरान अर्जित व्यावहारिक अनुभव के आधार पर किया गया। चयनित युवाओं को कैशियर, ब्यूटी एडवाइजर, स्टाइलिस्ट (सेल्स एग्जीक्यूटिव), टेलर (दर्जी), वेयरहाउस असिस्टेंट तथा फैसिलिटी एवं मेंटेनेंस स्टाफ जैसे विभिन्न पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं।

इस अवसर पर अध्यक्ष एन. गिरिधर रेड्डी ने संस्था के मूल आदर्श वाक्य सेटविन में प्रशिक्षण – नौकरी की गारंटी को दोहराते हुए कहा कि संस्थान का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक प्रशिक्षित छात्र को रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में युवाओं को उनके प्रशिक्षण और कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए और अधिक प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ साझेदारी की जाएगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने करियर निर्माण और सफलता के लिए सेटविन के प्रशिक्षण संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाएं।

इस प्लेसमेंट ड्राइव में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के क्षेत्रीय मानव संसाधन अधिकारी आरिफ मंसूर, एचआर प्रतिनिधि आयुष, सेटविन ट्रेनिंग इंचार्ज एम. नवीन कुमार, प्लेसमेंट सेल इंचार्ज नागेश्वर राव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर चयनित युवाओं एवं उनके परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सेटविन और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार जताया। जॉब मेला युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

प्रतिष्ठित आनुवंशिकी वैज्ञानिक डॉ. के. थंगराज पद्मश्री से सम्मानित

भारतीय जनसंख्याओं की उत्पत्ति और आनुवंशिक इतिहास पर शोध के लिए मिला सम्मान

हैदराबाद, 24 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपति भवन में 23 जून, 2026 को आयोजित सिविल इन्वेस्टिचर समारोह-2 में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिष्ठित आनुवंशिकी वैज्ञानिक डॉ. कुमारसामी थंगराज को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. थंगराज वर्तमान में सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केन्द्र (सीसीएमबी) में सीएसआईआर भटनागर फेलो के रूप में कार्यरत हैं।

भारतीय जनसंख्याओं के आनुवंशिक इतिहास पर किया उल्लेखनीय शोध

सीएसआईआर-सीसीएमबी में तीन दशकों से अधिक समय तक किए गए अपने शोध कार्य के दौरान डॉ. थंगराज ने भारत की विभिन्न जनसंख्याओं की उत्पत्ति, विकास और प्रवासन (माइग्रेशन) के इतिहास पर महत्वपूर्ण अनुसंधान किए हैं। भारत जैसे विविधताओं से परिपूर्ण देश में विभिन्न समुदायों की आनुवंशिक संरचना को समझने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

अपने विस्तृत आनुवंशिक विश्लेषणों के माध्यम से उन्होंने विभिन्न भारतीय समुदायों में पाए जाने वाले विशिष्ट आनुवंशिक संकेतकों (जेनेटिक सिग्नेचर) की पहचान की तथा उपमहाद्वीप की अन्य जनसंख्याओं के साथ उनके संबंधों का वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत किया। उनके शोधों ने सिंधी, कूर्गी, लद्दाखी और निकोबारी समुदायों की उत्पत्ति एवं विकास संबंधी कई महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डाला है।

ऐतिहासिक रहस्यों को भी मिला वैज्ञानिक आधार

डॉ. थंगराज के अनुसंधान ने रूपकुंड झील तथा मुज़िरिस पोर्ट सिटी से जुड़ी ऐतिहासिक लोककथाओं और रहस्यों के पीछे के वैज्ञानिक तथ्यों को उजागर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उनके अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि अफ्रीका, यूरोप और एशिया के विभिन्न क्षेत्रों से लोग सदियों से भारतीय उपमहाद्वीप में आते रहे, यहां बसते रहे और स्थानीय समुदायों के साथ घुलमिल गए। इसी दीर्घकालिक आनुवंशिक और सांस्कृतिक समावेशन ने भारतीय समाज की वर्तमान विविधता को आकार दिया।

दुर्लभ आनुवंशिक रोगों की पहचान में भी महत्वपूर्ण योगदान

डॉ. थंगराज ने भारतीय उप-जनसंख्याओं में अंतर्विवाह (एंडोगैमी) के कारण उत्पन्न होने वाले अनेक रोगजनक आनुवंशिक उत्परिवर्तनों (म्यूटेशन) की पहचान की है। वे देश में दुर्लभ आनुवंशिक रोगों की शीघ्र पहचान एवं उपचार के लिए आनुवंशिक परीक्षणों को बढ़ावा देने के प्रमुख समर्थकों में रहे हैं। उन्होंने भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की महत्वपूर्ण जीनोम इंडिया पहल का भी नेतृत्व किया। इस परियोजना ने भारत की विविध जनसंख्याओं की आनुवंशिक प्रोफाइल तैयार करने की दिशा में मजबूत आधार स्थापित किया है, जो भविष्य में व्यक्तिनिष्ठ (पर्सनलाइज़्ड) चिकित्सा प्रणाली के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी माना जा रहा है।

सीसीएमबी ने जताया गौरव

इस अवसर पर डॉ. विनय के. नंदीकूरी ने कहा कि डॉ. थंगराज के उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी शोध कार्य को आगे बढ़ाने का अवसर मिलना सीएसआईआर-सीसीएमबी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा, डॉ. थंगराज के अनुसंधान ने न केवल हमारे देश को अपने इतिहास को बेहतर ढंग से समझने में सहायता प्रदान की है, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा निर्धारित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पद्मश्री सम्मान से अलंकृत होने पर वैज्ञानिक समुदाय, शोधकर्ताओं और सीएसआईआर-सीसीएमबी परिवार में हर्ष और गौरव का वातावरण है।

यूएस कांसुलेट रोड का नाम अब होगा डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू, साइबराबाद नगर निगम ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बगल वाली सड़क का नाम बदलकर 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' करने के लिए एक स्मारक पट्टिका के अनावरण के ठीक एक दिन बाद, साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) की स्थायी समिति ने बुधवार को इस प्रस्ताव को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' क्यू सिटी जंक्शन से लेकर भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जंक्शन तक फैला हुआ है।

सरकार के अनुसार, इस सड़क का नाम बदलने का उद्देश्य वैश्विक नेताओं और उन कंपनियों को सम्मानित करने की तेलंगाना की परंपरा को मजबूत करना है, जिन्होंने आईटी नवाचार के वैश्विक पावरहाउस के रूप में हैदराबाद के उभरने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हालांकि, इस प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक गलियारों में विरोध भी शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने इस फैसले की आलोचना की है और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने इसके खिलाफ आवाज उठाई है।

समिति द्वारा अनुमोदित एक अन्य प्रमुख प्रस्ताव के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी , सार्वजनिक-निजी भागीदारी या अन्य उपयुक्त कार्यान्वयन मॉडल के माध्यम से सेरीलिंगमपल्ली जोन में पांच स्थानों पर खेल बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। खेल से जुड़ा एक और प्रस्ताव जो मंजूर हुआ, वह है पीजेआर फ्लाईओवर के नीचे एक स्पोर्ट्स एरिना का विकास करना, जिसकी दीवारों पर पहले से ही फुटबॉल सितारों के भित्तिचित्र रंगे जा चुके हैं।

इसके अलावा, बैठक में 'प्रोजेक्ट आश्रय' को भी मंजूरी दी गई। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत सीए-सआर के माध्यम से सेरीलिंगमपल्ली जोन में पांच स्थानों पर गिग और डिलीवरी वर्कर्स के लिए विश्राम और कल्याण केंद्र बनाए जाएंगे। साथ ही, सड़कों की सफाई करने वाली स्वीपिंग मशीनों के लिए भी रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाएगी। यह महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को महानगरीय क्षेत्र और शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन की उपस्थिति में आयोजित की गई थी।

दूसरी ओर, मलकाजगिरी नगर निगम की स्थायी समिति की बैठक में जवाहरनगर में पशु जन्म नियंत्रण/पशु देखभाल केंद्र के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। शहर में जलभराव और शहरी बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए उप्पल भगायथ फेज-1 के रोड नंबर 48 में सिंचाई नाले से मूसी नदी तक 5.8 करोड़ की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेन (तूफानी जल नाले) के निर्माण के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, इसी लेआउट के रोड नंबर 55 में 3 करोड़ की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेन के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है। इसके अतिरिक्त, उप्पल भगायथ फेज-1 में ही 4.95 करोड़ की लागत से एक मल्टी-स्पोर्ट्स एरिना के निर्माण के प्रस्ताव को भी समिति ने अपनी हरी झंडी दे दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.